मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 9 अंक 117
शनिवार, 07 नवम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

सुप्रीम कोर्ट का आदेशः केवल सैलरी देखकर उम्मीदवारों से नहीं छिन सकता OBC Reservation का लाभ

नई दिल्ली, 06 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने फिर से स्पष्ट किया कि किसी उम्मीदवार के माता-पिता की सार्वजनिक क्षेत्र (पब्लिक सेक्टर) या निजी क्षेत्र (प्राइवेट सेक्टर) की नौकरी से मिलने वाली सैलरी के आधार पर अकेले यह तय नहीं किया जा सकता कि वह उम्मीदवार OBC 'क्रीमी लेयर' में आता है या नहीं, और उसे आरक्षण से बाहर रखा जाना चाहिए या नहीं। केंद्र सरकार की इस अपील को खारिज करते हुए कि 11 मार्च, 2026 के फैसले को केवल भविष्य के मामलों में लागू किया जाए, कोर्ट ने कहा कि उसके सामने मौजूद उम्मीदवार आरक्षण के लाभ, और उसके परिणामस्वरूप मिलने वाली नियुक्ति तथा पदों के आवंटन के हकदार हैं। हालांकि, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि जो चयन, नियुक्तियां, वरिष्ठता (सीनियरिटी) और पदोन्नतियां (प्रमोशन) पहले ही पूरी हो चुकी हैं, उन्हें फिर से नहीं खोला जाएगा। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और आर महादेवन की पीठ ने



सरकार को फैसले को लागू करने के लिए दो महीने का अतिरिक्त समय दिया है। इससे पहले मार्च में सरकार को छह महीने का समय दिया गया था।

'यूनियन ऑफ इंडिया बनाम रोहित नाथन' मामले में अदालत ने फैसला सुनाया था कि किसी व्यक्ति के 'क्रीमी लेयर' में होने का निर्धारण केवल उसके माता-पिता के वेतन या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (PSU) अथवा निजी कंपनी से होने वाली आय के आधार पर नहीं किया जा सकता। 1993 के कार्यालय ज्ञापन (ऑफिस मेमोरेंडम) के तहत, निर्धारित आय या संपत्ति की जांच के साथ-साथ माता-पिता के पद के स्तर और श्रेणी पर भी विचार किया जाना चाहिए। इस फैसले को दोहराते हुए, पीठ ने कहा कि इस मामले से जुड़े उम्मीदवार OBC 'नॉन-क्रीमी लेयर' के दायरे में आते हैं और वे उन चयन प्रक्रियाओं में आरक्षण का लाभ पाने के हकदार हैं, जिनमें उन्होंने हिस्सा लिया था। केंद्र ने अदालत से संविधान के अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल करते हुए इस फैसले को भविष्य से लागू करने का आग्रह किया था। केंद्र का तर्क था कि अगर इसे पिछली और चल रही भर्तियों पर लागू किया जाता है, तो इससे ऐसे लोग प्रभावित हो सकते हैं जो इस मामले का हिस्सा नहीं थे, और इससे पूरी तरह से प्रशासनिक अव्यवस्था पैदा हो सकती है।

सीतापुर : ट्रक की चपेट में आकर पलटी ट्रैक्टर ट्रॉली, पांच की मौत-17 घायल; मुंडन कराकर लौट रहा था परिवार

सीतापुर, 06 नवम्बर। जिले के पिसावां थाना क्षेत्र के अंतर्गत पिहानी मार्ग पर कुलहाघाट के पास शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। मुंडन संस्कार से लौट रहे लोगों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे दबकर पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 17 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बरगांवा गांव निवासी हरिनाम के बेटे 'अभी' का मुंडन संस्कार हरदोई के पिहानी थाना क्षेत्र स्थित रायपुर गांव के एक धार्मिक स्थल पर संपन्न हुआ था। कार्यक्रम पूरा होने के बाद परिवार और रिश्तेदार ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सवार होकर वापस बरगांवा गांव लौट रहे थे। इसी दौरान पिहानी मार्ग पर



कुलहाघाट के समीप हिम्मतनगर गांव के पास तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी, जिससे वह अनियंत्रित होकर पलट गई।

घटना के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे से बाहर निकाला गया और इलाज के लिए पिसावां तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) महोली भेजा गया। महोली सीएचसी के चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद बरगांवा निवासी काजल (10), सुशीला (50), रूबी (22), सुनीता (40) और एक अन्य महिला को मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायलों का इलाज जारी है।

तरुण तेजपाल को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत, रेप केस में 10 साल की सजा पर रोक से इनकार

नई दिल्ली, 06 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पत्रकार तरुण तेजपाल को 2013 के बलात्कार मामले में सुनाई गई 10 साल की जेल की सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। जस्टिस एम एम सुंदेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने कहा कि वह सजा पर रोक लगाने के पक्ष में नहीं है। तेजपाल की अर्जी पर सुनवाई करते हुए पीठ ने कहा, ₹हमें नहीं लगता कि यह ऐसा मामला है जिसमें सजा पर रोक लगाई जानी चाहिए। तेजपाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने मामले के सबूतों और अन्य सामग्रियों का हवाला देते हुए दलील दी कि पूरी कहानी झूठी है₹। गोवा सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस याचिका का विरोध किया और कहा कि इस मामले में सजा बढ़ाई जानी चाहिए।



6 अगस्त को बॉम्बे हाई कोर्ट ने तेजपाल को बलात्कार का दोषी ठहराया और उसे 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने 'तहलका' पत्रिका के पूर्व संपादक को पांच साल पहले बरी करने वाले ट्रायल कोर्ट के फैसले को पलट दिया। 2013 में गोवा में मैगजीन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान, एक होटल की लिफ़्ट में अपनी एक जूनियर सहकर्मी के साथ बलात्कार करने के मामले में तेजपाल को दोषी ठहराया गया था। 62 वर्षीय पत्रकार ने दावा किया है कि वह राजनीतिक प्रतिशोध का शिकार हुए हैं। 25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने तेजपाल को अपनी सजा काटने के लिए तीन हफ़्ते के भीतर सरेंडर करने का निर्देश दिया और सरेंडर से छूट की उनकी अपील को खारिज कर दिया। 'प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया' के अनुसार, इसके बाद उन्होंने ट्रायल कोर्ट के सामने सरेंडर कर दिया।

तेजपाल को भारतीय दंड संहिता (IPC) की कई धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया था। इनमें धारा 376(2)(f) शामिल है, जो किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा किए गए बलात्कार से संबंधित है जो विश्वास या अधिकार के पद पर हो; धारा 354(a), जो यौन उत्पीड़न से जुड़ी है; और धारा 354(b), जो कपड़े उतारने के इरादे से किए गए हमले या आपराधिक बल के प्रयोग से संबंधित है।

दिल्ली, महाराष्ट्र समेत 7 राज्यों में एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग का बड़ा फैसला, दिए ये नए आदेश

नई दिल्ली, 06 नवम्बर। भारत निर्वाचन आयोग (ECI) ने छह राज्यों - महाराष्ट्र, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, झारखंड, तेलंगाना और नागालैंड - तथा केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (CEOs) को निर्देश दिया है कि वे उन मतदाताओं को एक और मौका दें, जिनके नाम 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (SIR) प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची के मसौदे से छूट गए थे। 6 नवंबर के एक पत्र में आयोग ने कहा कि जिन मतदाताओं को 'एन्यूमरेशन फॉर्म' (गणना प्रपत्र) जारी किए गए थे, लेकिन बाद में उन्हें अरऊ (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या डुप्लिकेट) के रूप में चिह्नित करके मतदाता सूची से हटा दिया गया था, उन्हें अंतिम मतदाता सूची में शामिल होने के लिए अपने फॉर्म फिर से जमा करने की अनुमति दी जाएगी। आयोग ने कहा है कि ये मतदाता अपने विधिवत भरे हुए 'एन्यूमरेशन फॉर्म' (गणना प्रपत्र) को अपने वर्तमान सामान्य निवास स्थान से संबंधित 'इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर' (ERO) या 'असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर' (AERO) के पास जमा कर सकते हैं। इन निदेशों के तहत, ASDD श्रेणियों के अंतर्गत चिह्नित मतदाताओं की बूथ-वार सूची संबंधित मतदान केंद्रों, पंचायत भवनों और शहरी स्थानीय निकाय कार्यालयों के नोटिस बोर्ड पर फिर से लगाई जाएगी। साथ ही, इन सूचियों को संबंधित मुख्य निर्वाचन



अधिकारियों (Chief Electoral Officers) की वेबसाइटों पर पढ़ने योग्य PDF प्रारूप में भी अपलोड किया जाएगा। इन सूचियों में ड्राफ्ट रोल (प्रारूप मतदाता सूची) में मतदाताओं के नाम शामिल न होने के संभावित कारण दिए गए होंगे। एउक ने जिला चुनाव अधिकारियों और चुनाव पंजीकरण अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया है कि वे अपने ECINET डैशबोर्ड के जरिए आंशिक रूप से भरे हुए 'एन्यूमरेशन फॉर्म' (गणना प्रपत्र) नए सिरे से तैयार करें। बूथ लेवल ऑफिसर्स (BLOs) से कहा जाएगा कि वे संबंधित मतदाताओं से संपर्क करें और इन फॉर्म को उन तक पहुँचाना सुनिश्चित करें—चाहे वे फॉर्म सीधे (फिजिकली) दिए जाएँ, या फिर जहाँ भी संपर्क विवरण उपलब्ध हों, वहाँ व्हाट्सएप, ईमेल या SMS के माध्यम से भेजे जाएँ। जिन मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं, वे उसी EPIC नंबर का उपयोग करके एउकवेबसाइट या ECINET ऐप के माध्यम से अपने फॉर्म डाउनलोड और भर सकते हैं।

आयोग ने उन मतदाताओं के लिए अलग-अलग प्रक्रियाएं तय की हैं जिन्होंने अपना निवास स्थान नहीं बदला है और उन लोगों के लिए भी जिन्होंने उसी राज्य के भीतर अपना निवास स्थान बदल लिया है। जो मतदाता अभी भी उसी पते पर रह रहे हैं, उन्हें अपना भरा हुआ और हस्ताक्षरित 'एन्यूमरेशन फॉर्म' (Enumeration Form) जमा करना होगा। साथ ही, उन्हें एक लिखित बयान भी देना होगा कि वे पहले यह फॉर्म क्यों जमा नहीं कर पाए। वे ये दस्तावेज खुद या अपने परिवार के किसी सदस्य के माध्यम से जाकर (फिजिकली) जमा कर सकते हैं, या फिर ECINET पर उपलब्ध ऑनलाइन सुविधा का उपयोग करके ई-साइन (e-sign) के साथ इन्हें जमा कर सकते हैं।

सरकारी योजनाओं को वोटर आईडी से जोड़ने पर राहुल गांधी ने चेताया, नाम कटा तो वोट और अधिकार दोनों जाएंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के इस बयान के बाद कि कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान आधार कार्ड के बजाय वोटर आईडी कार्ड से की जाएगी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि यह चुनावों में हेरफेर करने और नागरिकों के वोट देने के अधिकार छीनने की एक गहरी साजिश है, ताकि सत्ता पर हमेशा के लिए कब्जा बनाए रखा जा सके। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने दावा किया कि यह नई व्यवस्था नागरिकों के मौलिक अधिकारों के लिए खतरा है, क्योंकि इसमें सरकारी लाभों को सीधे मतदाता सूची से जोड़ दिया गया है, जिसमें उनके अनुसार हेरफेर की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग भाजपा से नाराज हैं, उन्हें सबसे पहले निशाना बनाया जाएगा।



उन्होंने कहा, मोदी सरकार के मंत्री का ऐलान - योजनाओं का लाभ अब आधार से नहीं, बल्कि वोटर आईडी से तय होगा। यह साजिश बहुत गहरी है; इसे समझने के लिए थोड़ा समय निकालें।

गांधी द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में केंद्रीय मंत्री कहते हैं अब लाभार्थियों को भुगतान करने का आधार आधार कार्ड नहीं होगा। आधार कार्ड तो आजकल हर गली-मोहल्ले में मिल जाता है। बस उनसे कहिए, और वे 5 मिनट में आपका आधार कार्ड तैयार कर देंगे।

उत्तराखंड में तीसरी बार सरकार बनाने के लिए बीजेपी को दें 65 से ज्यादा सीटें : अमित शाह

देहरादून, 06 नवम्बर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तराखंड की जनता से अगले साल की शुरूआत में प्रस्तावित राज्य विधानसभा चुनाव में भाजपा को 65 से अधिक सीटें जिताकर लगातार तीसरी बार पार्टी की सरकार बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उत्तराखंड को सुरक्षित, समृद्ध और देश की सांस्कृतिक राजधानी बनाना चाहती है। उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस समारोह के तहत 1,475.31 करोड़ रुपये की 62 योजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के अवसर पर यहां परेड ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में शाह ने कहा कि असम, गुजरात, हरियाणा, मध्यप्रदेश, गोवा और महाराष्ट्र में भाजपा लगातार तीसरी बार सरकार बनाकर हैट्रिक लगा चुकी है।

लेकिन इस बार इससे काम नहीं चलेगा। हमें 65 पार का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ना है। शाह ने लोगों से अपील करते हुए कहा, भाजपा इस सीमांत राज्य को सुरक्षित, समृद्ध और देश की सांस्कृतिक राजधानी बनाना चाहती है। इन तीनों उद्देश्यों के लिए हमें इस बार आपका जनादेश और आशीर्वाद चाहिए। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि उसने वर्षों तक उत्तराखंड को मनीऑर्डर अर्थव्यवस्था और पलायन के भरोसे छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने यह तर्क देकर सीमावर्ती क्षेत्रों को सड़कों से भी वंचित रखा कि इससे दुश्मन चीन देश में घुस आएगा।

उन्होंने कहा, हमने पलायन को यथासंभव रोकने का प्रयास किया है और मनीऑर्डर अर्थव्यवस्था की जगह यहां धन का सृजन करने वाली औद्योगिक अर्थव्यवस्था बनाने का काम किया है। हमने सड़कें भी बनाईं और ऐसा देश भी बनाया जिसकी



सीमाओं को छूने की हिम्मत किसी माई के लाल में नहीं है। शाह ने कहा कि भारत के साथ दुस्साहस करने वालों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर और सर्जिकल स्ट्राइक के जरिए उनके घर में घुसकर जवाब दिया।

उन्होंने कांग्रेस पर आतंकवाद को रोकने में असफल होने का आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी सरकार ने इसे समाप्त करने की दिशा में कठोर कदम उठाए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने वाइब्रेंट विलेज योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने सीमावर्ती गांवों को देश का पहला गांव माना है। उन्होंने दावा किया कि 270 करोड़ रुपये की योजनाओं के माध्यम से आज 51 गांवों में युवा वापस लौटने लगे हैं।

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस के विरोध पर शाह ने कहा कि राहुल गांधी की वोट बचाओ यात्रा वास्तव में घुसपैठिया बचाओ यात्रा है।

उन्होंने कांग्रेस पर घुसपैठ को बढ़ावा देने, तुष्टीकरण की राजनीति करने, शुक्रवार की नमाज के लिए छुट्टी का प्रस्ताव लाने, राम मंदिर का विरोध करने, जनसांख्यिकीय बदलाव वाली नीतियां बनाने तथा भ्रष्टाचार और घोटालों में शामिल होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, राहुल गांधी जी, आपका यह झूठा नैरेटिव(विमर्श) भारत की जनता को हजम नहीं होता। शाह ने दावा किया कि भाजपा ने पिछले 10 वर्षों में प्रदेश की जनता को भ्रष्टाचार मुक्त शासन दिया है और एक-एक पैसा लोगों तक पहुंचाने का काम किया है। उत्तराखंड में भाजपा सरकार द्वारा लागू समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस कानून के लागू होने के बाद प्रदेश में किसी को चार शादियां करने या तीन तलाक के जरिए किसी महिला का अपमान करने की अनुमति नहीं है।







दीपावली बने विकसित एवं समृद्ध भारत की नई ज्योति



-ललित गर्ग

दीपावली केवल अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व नहीं है, यह मनुष्य के भीतर सोई हुई चेतना को जगाने, जीवन की दिशाहीनता को दिशा देने और सभ्यता के वर्तमान पड़ाव पर अपने मूल्यों का पुनर्मूल्यांकन करने का अवसर है। आज भारत विकसित भारत, समृद्ध भारत, समर्थ भारत और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पयात्रा पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। दुनिया भारत की आर्थिक शक्ति, तकनीकी सामर्थ्य, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दृष्टि को नए विश्वास के साथ देख रही है। ऐसे समय में दीपावली का दीपक केवल घर की चौखट पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के आकाश में भी जलना चाहिए। हमारे सामने एक बड़ा प्रश्न है-जब दीपों की संख्या बढ़ रही है, तब मनुष्य के भीतर का प्रकाश क्यों मंद पड़ रहा है? घर जगमगा रहे हैं, बाजार रोशन हैं, महानगरों की इमारतें विद्युत-दीपों से नहा रही हैं, तकनीक जीवन को सुविधाओं से भर रही है, फिर भी मनुष्य के भीतर तनाव, असुरक्षा, हिंसा, स्वार्थ, असहिष्णुता और मोह का अंधकार क्यों गहराता जा



रहा है? कहीं ऐसा तो नहीं कि हमने दीपक तो बहुत जला लिए, लेकिन अपने भीतर बाती लगाना भूल गए?

आतंकवाद, हिंसा, युद्ध, घृणा और वैमनस्य की जड़ें किसी मशीन या हथियार में नहीं, मनुष्य की विकृत चेतना में होती हैं। इसलिए आतंकवाद की समस्या का स्थायी समाधान केवल सुरक्षा-व्यवस्था से नहीं होगा। मनुष्य को अनावश्यक हिंसा छोड़ने का संकल्प करना होगा। जब तक मनुष्य के भीतर प्रतिशोध की आग जलती रहेगी, तब तक संसार में शांति का दीपक पूरी तरह प्रज्वलित नहीं हो सकता। अहिंसा केवल जैन दर्शन का सिद्धांत नहीं, बल्कि भविष्य की मानव सभ्यता की आवश्यकता है। एक सुंदर आध्यात्मिक दृष्टांत है। अंधकार ने ब्रह्मा से शिकायत की कि सूर्य उसका पीछा करता है और उसे मिटा देना चाहता है। सूर्य ने कहा-मैं तो अंधकार को जानता तक नहीं, मिटाने की बात तो दूर है, पहले उसे मेरे सामने उपस्थित करो। जब अंधकार को सूर्य के सामने आने के लिए कहा गया तो उसने उत्तर दिया-मैं उसके पास कैसे आऊं? उसके सामने आते ही मेरा अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। यही सत्य धर्म और अज्ञान के संबंध का है। जहां ज्ञान का सूर्य उदित हो जाता है, वहां अज्ञान का अंधकार टिक नहीं सकता। जहां करुणा का दीप जलता है, वहां हिंसा की कालिमा ठहर नहीं सकती। जहां आत्मसंयम की ज्योति प्रज्वलित होती है, वहां मोह और मूर्च्छा का साम्राज्य धीरे-धीरे ढहने लगता है। इसीलिए दीपावली की वास्तविक सार्थकता केवल घर की सफाई में नहीं, अंतःकरण की सफाई में है। हम महीनों से घर के कोने-कोने की धूल हटाते हैं, पुराने सामान को व्यवस्थित करते हैं, दीवारों को सजाते हैं और घर को नया रूप देते हैं। लेकिन क्या कभी हमने अपने मन के कोनों में जमी ईर्ष्या की धूल झाड़ी? क्या क्रोध की कालिख साफ की? क्या अहंकार के जाले हटाए? क्या लोभ और मोह के पुराने सामान को बाहर निकाला? यदि इस दीपावली हम अपने भीतर की ऐसी सफाई कर पाए, तो यही पर्व हमारे जीवन का सबसे बड़ा उत्सव बन जाएगा।

महान दार्शनिक संत आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने अंतर्दर्शन को आत्मप्रकाश का मार्ग बताया। उनका संकेत स्पष्ट था कि बाहर की दुनिया को देखने की हमारी आदत बहुत गहरी है, जबकि भीतर झांकने की साधना बहुत कमजोर। आज मनुष्य के पास दुनिया देखने के लिए असंख्य माध्यम हैं, लेकिन स्वयं को देखने का समय नहीं। मोबाइल की स्क्रीन चमक रही है, लेकिन मन की स्क्रीन धुंधली होती जा रही है। सूचना का भंडार बढ़ रहा है, पर आत्मबोध का दीप क्षीण हो रहा है। यही आज की सबसे बड़ी विडंबना है-हम चाँद पर पहुँचने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन अपने भीतर के अंधेरे कोनों तक पहुँचने में संकोच कर रहे हैं। नया भारत केवल ऊँची इमारतों, तेज गति की अर्थव्यवस्था, अत्याधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय बुनियादी ढाँचे से नहीं बनेगा। विकसित भारत की असली पहचान उसके नागरिकों की विकसित चेतना से होगी। समृद्धि तभी सार्थक है जब संवेदना जीवित रहे, शक्ति तभी मंगलकारी है जब उसमें संयम हो, विज्ञान तभी कल्याणकारी है जब उसके साथ विवेक हो और विकास तभी पूर्ण है जब उसके केंद्र में मनुष्य तथा प्रकृति दोनों के प्रति करुणा हो। भारत की सनातन संस्कृति ने सदियों पहले जीवन का यही सूत्र दिया था-तमसो मा ज्योतिर्गमय। अंधकार से प्रकाश की ओर, अज्ञान से ज्ञान की ओर, असंयम से संयम की ओर और स्वार्थ से परमार्थ की ओर बढ़ना ही भारतीय संस्कृति की जीवनधारा है। आज जब भारत विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर है, तब उसकी सबसे बड़ी पूँजी केवल अर्थव्यवस्था या तकनीकी शक्ति नहीं, बल्कि उसकी सनातन जीवनदृष्टि है। दीपावली इस सनातन संस्कृति को नया आकाश देने का पर्व बन सकती है। हमें दुनिया को केवल यह नहीं बताना कि भारत आर्थिक रूप से आगे बढ़ रहा है, हमें यह भी दिखाना है कि भारत मानवीय मूल्यों के साथ विकास करना जानता है। ऐसा विकास, जिसमें प्रकृति के लिए स्थान हो, वंचित के लिए संवेदना हो, वृद्ध के लिए सम्मान हो, युवा के लिए अवसर हो, नारी के लिए गरिमा हो और प्रत्येक मनुष्य के लिए सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण जीवन हो। आज आवश्यकता है कि दीपावली के दीपक को राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक बनाया जाए। एक दीप आत्मसंयम का, एक अहिंसा का, एक पर्यावरण-संरक्षण का, एक सामाजिक समरसता का, एक नारी-सम्मान का, एक ईमानदारी का और एक राष्ट्रनिष्ठा का। जब करोड़ों घरों के करोड़ों दीप इन मूल्यों के साथ जलेंगे, तब भारत की रोशनी केवल घरों और बाजारों तक सीमित नहीं रहेगी, वह विश्वमानवता का पथ आलोकित करेगी।

दीपक की एक विशेषता है-वह स्वयं जलता है और दूसरों को प्रकाश देता है। यही भारत की संस्कृति का मूल चरित्र है। वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना लेकर चलने वाला भारत अपने उत्थान को विश्वकल्याण से अलग नहीं देख सकता। भारत यदि विश्वगुरु बनना चाहता है तो उसे दुनिया को केवल ज्ञान नहीं, जीवन का संतुलन भी देना होगा, केवल समृद्धि का मॉडल नहीं, शांति का मार्ग भी दिखाना होगा। इस दीपावली एक प्रश्न अपने आप से जरूर पूछें-मेरे भीतर कौन-सा अंधकार अभी बाकी है? क्रोध, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या, भय, असंवेदनशीलता या निष्क्रियता? क्योंकि अंधकार को कोसने से प्रकाश नहीं आता। एक छोटा-सा दीप जलाना पड़ता है। दीपक हमें यह भी सिखाता है कि जीवन से पलायन नहीं, परिवर्तन चाहिए। परिस्थितियां चाहे कितनी ही प्रतिकूल क्यों न हों, मनुष्य को अपने भीतर की लौ को बुझने नहीं देना चाहिए। इस दीपावली घरों के साथ हृदयों को भी सजाएं, चौखट के साथ चेतना को भी संवारें और आकाश में उड़ती रोशनी के साथ अपने भीतर आत्मज्योति को भी प्रज्वलित करें। क्योंकि विकसित भारत की सबसे बड़ी पहचान चमकती सड़कों से नहीं, जाग्रत नागरिकों से होगी।

आज भारत नई करवट ले रहा है। उसकी अर्थव्यवस्था नई ऊँचाइयां छू रही है, विज्ञान नई सीमाएं लांघ रहा है, युवा नई संभावनाओं के द्वार खोल रहे हैं और भारत विश्वमंच पर अपनी भूमिका को नए आत्मविश्वास के साथ स्थापित कर रहा है। इस परिवर्तन की यात्रा में दीपावली का संदेश भी नया होना चाहिए-बाहर का भारत रोशन हो और भीतर का भारत जागृत हो। तभी दीपावली केवल एक पर्व नहीं रहेगी, वह नवभारत की नवज्योति, सनातन संस्कृति की नई आभा और विश्वमानवता के लिए भारत के प्रकाश-पथ का उद्घोष बनेगी। आइए इस दीपावली एक दीप अपने घर में जलाएं और एक दीप अपने भीतर। एक दीप समृद्ध भारत के लिए और एक दीप संवेदनशील भारत के लिए। एक दीप विकास के लिए और एक दीप विवेक के लिए। क्योंकि जब भीतर का दीप जलता है, तभी बाहर की रोशनी सार्थक होती है। और जिस दिन भारत के करोड़ों अंतःकरणों में यह ज्योति प्रज्वलित हो जाएगी, उस दिन भारत केवल विकसित नहीं होगा-वह विश्व को विकास के साथ विवेक, शक्ति के साथ शांति और समृद्धि के साथ संवेदना का मार्ग दिखाने वाला विश्वगुरु बनेगा।

रोशनी का त्योहार बनाम दमन का अंधेराः रावलकोट का क्रंदन और पाकिस्तान का बेनकाब होता कश्मीर नैरेटिव



अशोक भाटिया

एक तरफ जहां पूरा भारतवर्ष रोशनी, उल्लास और बंधुत्व के महापर्व दीपावली के पावन प्रकाश में नहाया हुआ है, जहां हर घर के मुहाने पर जलते दीये और आसमान को छूती आतिशबाजी एक जीवंत और प्रगतिशील लोकतंत्र की खुशहाली को बयां कर रही है, वहीं दूसरी तरफ भारत के ही एक अभिन्न हिस्से—पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर से आ रही चीखें और धुंआ मानवता के अंतःकरण को झकझोर रहा है। जब स्वतंत्र भारत के नागरिक अपने परिवारों के साथ सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं, ठीक उसी समय नियंत्रण रेखा के उस पार रावलकोट में निर्दोष कश्मीरियों के घरों पर बारूद बरस रहा है। यह विरोधाभास केवल दो भौगोलिक क्षेत्रों की स्थिति का अंतर नहीं है, बल्कि यह दो अलग-अलग व्यवस्थाओं के चरित्र का जीवंत दस्तावेज है। एक तरफ वह भारत है जो विकास, लोकतंत्र और जनकल्याण के पथ पर अग्रसर है, और दूसरी तरफ वह पाकिस्तानी हुकूमत है जो अपने अवैध नियंत्रण वाले क्षेत्र के निहत्थे नागरिकों की वाजिब आवाजों को दबाने के लिए सैन्य ताकत, अंधाधुंध गोलीबारी और विनाशकारी ड्रोन हमलों का सहारा ले रही है। रावलकोट में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों और असैन्य बस्तियों पर पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए हालिया ड्रोन हमलों और अंधाधुंध गोलीबारी में कम से कम सात निर्दोष नागरिकों (जिनमें चार मासूम बच्चे भी शामिल हैं) की मौत और 23 से अधिक लोगों का लहूलुहान होना इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि इस्लामाबाद के लिए ढङ्गड की जनता केवल एक भौगोलिक बंधक है, जिसके बुनियादी मानवाधिकारों की उसकी नजर में कोई कीमत नहीं है।

रावलकोट के उमर फारूक चौक और बस टर्मिनल के समीप हुए इस हिंसक सैन्य एक्शन की पृष्ठभूमि को समझना बेहद जरूरी है। यह अशांति कोई अचानक उपजा तात्कालिक कानून-व्यवस्था का संकट नहीं है, जैसा कि पाकिस्तानी जनसंपर्क तंत्र इसे स्थापित करने का प्रयास कर रहा है। असल में, जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी के बैनर तले ढङ्गड की स्थानीय आबादी पिछले कई महीनों से अपने बुनियादी हकों के लिए शांतिपूर्ण सत्याग्रह कर रही है। उनकी मांगें बेहद बुनियादी और तार्किक हैं—सस्ती बिजली, आटे और आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति, उनके अपने जल और प्राकृतिक संसाधनों पर स्थानीय नियंत्रण, और दमनकारी प्रशासनिक व्यवस्था से मुक्ति। यह अत्यंत हास्यास्पद और क्रूर सच्चाई है कि जिस क्षेत्र की नदियों से पैदा होने वाली पनबिजली से पूरा पाकिस्तान रोशन होता है, उसी ढङ्गड के लोग भारी-भरकम बिजली बिलों और अघोषित कटौती के खिलाफ सड़कों पर बैठने को मजबूर हैं। इस लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण आंदोलन का जवाब पाकिस्तान की जनरल आसिम मुनीर के नेतृत्व वाली सेना ने संवाद से देने के बजाय संगीनों, मिसाइलों और आधुनिक सैन्य ड्रोनों से दिया है। नागरिकों के रिहायशी मकानों को निशाना बनाकर किए गए इन हमलों ने स्थानीय अवाम के भीतर संचित आक्रोश को एक

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

राष्ट्रव्यापी नागरिक विद्रोह में तब्दील कर दिया है। मस्जिदों के लाउडस्पीकरों से गूंजती प्रतिरोध की अपीलें और सुरक्षा बलों के सामने सीना तानकर खड़ी महिलाएं इस बात का साक्ष्य हैं कि अब वहां का समाज भय की सीमा को पार कर चुका है।

यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तानी सेना ने कश्मीरियों के खून से अपने हाथ रंगे हैं, लेकिन इस बार रावलकोट में जिस बर्बरता का प्रदर्शन किया गया, उसने युद्ध के नियमों और मानवाधिकारों की तमाम अंतरराष्ट्रीय संधियों को तार-तार कर दिया है। युद्ध के मैदान में दुश्मनों के खिलाफ इस्तेमाल किए जाने वाले मिलिट्री ड्रोनों का प्रयोग अपने ही नियंत्रण वाली असैन्य आबादी और बच्चों पर करना एक अक्षम्य युद्ध अपराध (हंग उङ्गी) की श्रेणी में आता है। स्थानीय नेताओं द्वारा सोशल मीडिया पर दिखाए गए बमों के छर्रे और जली हुई इमारतें अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के लिए आंखें खोलने वाली होनी चाहिए। सूचनाओं के प्रवाह को रोकने के लिए रावलकोट और आसपास के इलाकों में मोबाइल नेटवर्क तथा इंटरनेट सेवाओं को पूरी तरह ठप कर दिया गया है ताकि सेना की इस क्रूरता की गवाहियां दुनिया के सामने न आ सकें। तथ्य छुपाने की इस हताश कोशिश के बावजूद जो खबरें और वीडियो छनकर बाहर आ रहे हैं, वे दिल दहला देने वाले हैं। जून से अब तक इस खूनी दमन चक्र में 153 से अधिक स्थानीय नागरिक अपनी जान गंवा चुके हैं। यह आंकड़ा किसी घोषित युद्ध क्षेत्र का नहीं, बल्कि उस इलाके का है जिसे पाकिस्तान दुनिया के मंचों पर 'आजाद कश्मीर' कहकर दुष्प्रचार करता है। रावलकोट की यह ३१वीं उस पाखंडी नैरेटिव के ताबूत में आखिरी कील है, जिसके सहारे पाकिस्तान दशकों से वैश्विक मंचों पर खुद को कश्मीरियों का हमदर्द साबित करने का ढोंग रचता आया है।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्रालय और सैन्य नेतृत्व का यह दावा कि वे केवल उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं, पूरी तरह खोखला और बेदम है। सच तो यह है कि पाकिस्तान का तथाकथित कश्मीर नैरेटिव अब अंदरूनी तौर पर पूरी तरह ढह चुका है। इस्लामाबाद अंतरराष्ट्रीय मंचों, जैसे संयुक्त राष्ट्र या ओआईसी में भारत के खिलाफ कश्मीरियों के आत्मनिर्णय के अधिकार की वकालत करता है, लेकिन जब ढङ्गड के असली कश्मीरी अपने अधिकारों की मांग करते हैं, तो पाकिस्तानी हुकूमत के मंत्री उन्हें 'देश का दुश्मन' और 'गद्दार' करार दे देते हैं। यह दोहरा मापदंड स्पष्ट करता है कि पाकिस्तान को न तो कश्मीरियों से कोई सरोकार है और न ही उनकी संस्कृति या पहचान से। उसके लिए ढङ्गड केवल एक रणनीतिक भूभाग और भारत के खिलाफ आतंकवाद की नर्सरी संचालित करने का माध्यम मात्र है। भारत की सीमा के भीतर जम्मू-कश्मीर में धारा 370 के हटने के बाद जिस तरह से लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं बहाल हुई हैं, रिकॉर्ड मतदान के साथ शांतिपूर्ण विधानसभा चुनाव संपन्न हुए हैं, और चौतरफा बुनियादी ढांचे का विकास हो रहा है, उसने ढङ्गड के नागरिकों की आंखों से पाकिस्तानी प्रोपेगैंडा का चश्मा उतार दिया है। वे देख रहे हैं कि नियंत्रण रेखा के इस पार उनका कश्मीरी भाई विकास और अमन की खुली हवा में सांस ले रहा है, जबकि वे स्वयं एक दिवालिया हो चुके मुल्क की सैन्य तानाशाही के तले पिस रहे हैं। यही आत्मबोध और तुलनात्मक यथार्थ पाकिस्तानी हुकूमत की सबसे बड़ी घबराहट है, जिसे दबाने के लिए वह अब अपने ही पाले हुए नागरिकों पर बमबारी कर रही है।

इस मानवीय संकट पर वैश्विक समुदाय और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों की चुप्पी बेहद चिंताजनक और उनके दोहरे रवैये को उजागर करने वाली है। गाजा या यूक्रेन के संकट पर हफ्तों तक बहस करने वाली वैश्विक संस्थाएं रावलकोट में तड़पते बच्चों और जलते घरों पर मौन साधे बैठी हैं। क्या ढङ्गड के नागरिकों के पास जीने का अधिकार नहीं है? क्या शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने पर किसी चुनी हुई या सैन्य समर्थित सरकार को अपने ही लोगों पर ड्रोन दागने की खुली छूट दी जा सकती है? भारत के दृष्टिकोण से, यह समय रणनीतिक रूप से अत्यंत सतर्क रहने और कूटनीतिक आक्रामकता दिखाने का है। ढङ्गड संवैधानिक और ऐतिहासिक रूप से भारत का अभिन्न अंग है, और वहां के नागरिकों पर होने वाला कोई भी अत्याचार सीधे तौर पर भारत के राष्ट्रीय हितों और मानवीय संवेदनाओं को प्रभावित करता है। भारत को वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान के इस नग्न दमन चक्र को पूरी ताकत से उठाना चाहिए और रावलकोट में इंटरनेट ब्लैकआउट के पीछे छिपे सच को दुनिया के सामने बेनकाब करना चाहिए। जब भारत में दीपावली के दीये जल रहे हैं, तब हमारी प्रार्थनाओं और कूटनीतिक प्रयासों में नियंत्रण रेखा के पार रह रहे हमारे उन भाइयों और बहनों की सुरक्षा भी शामिल होनी चाहिए, जो इस समय पाकिस्तानी सेना के खूनी खेल का शिकार हो रहे हैं। रावलकोट का यह क्रंदन वैश्विक चेतना के लिए एक कठोर चेतावनी है कि आतंकवाद और दमन पर टिकी कोई भी रियासत कभी भी अपने नागरिकों को शांति और समृद्धि नहीं दे सकती।

जलाओ दिए पर रहे ध्यान इतना, अंधेरा धरा पर कहीं रह न जाए



-नरेंद्र तिवारी 'पत्रकार'

भारत कि सांस्कृतिक विरासत तीज, त्योहारों, उत्सवों से साल भर जगमगाती रहती है। इस जगमग के मध्य महापर्व दीपावली सूर्य के मानिंद दुनियाँ को भारतीय सांस्कृतिक विरासत कि श्रेष्टता से अवगत कराता प्रतीत होता है। दीपावली मुख्य रूप से अंधीयारे से उजियारे, बुराई पर अच्छाई और अज्ञान पर ज्ञान कि विजय का प्रतीक है। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान श्रीराम, माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ 14 वर्ष का वनवास पूर्ण कर और राक्षसराज रावण का वध करके अयोध्या लौटे थे, उनके स्वागत मे अयोध्यावासियों ने घी के दीपक जलाकर अयोध्या नगरी को रोशन किया था। कार्तिक मास कि अमावस्या को दीपावली का पर्व दुनियाँ भर मे मनाया जाता है। यह उत्सव धनतेरस से प्रारम्भ होकर भाई दूज याने पांच दिवस तक चलता है। दीपावली के पूर्व घर, दुकान, प्रतिष्ठान रंग-रोगन से सजाए जाते है। बाजार रोशनी से जगमगा उठते है। मानसून के उपरांत दीपावली का आगमन सफाई के वैज्ञानिक संदेशो को भी समाहित किये हुए है। बारिश कि समाप्ति और शरद ऋतू के आगमन के समय अत्यधिक नमी के कारण किट पतंगो और बैक्टेरिया और हानिकारक किटों का प्रभाव अधिक रहता है जो सफाई पुताई और दीपक कि रोशनी से निकलने वाली गर्मी से नष्ट होते है। वातावरण शुद्ध होता है। श्री राम के 14 वर्षीय वनवास के उपरांत अयोध्या लौटने का यह प्रसंग जनमानस को इस बात का संदेश देता है कि जीवन सुख-दुख के समावेश का क्रम है। वनवास वचन है, श्री राम के संघर्ष कि कहानी है। वनवास श्री राम के जीवन का सबसे महत्वपूर्व प्रसंग है जो उन्हें मयार्दा पुरुषोत्तम बनाता है। अयोध्या के राजसी वैभव से वँचित राम वनों के दुर्गम रास्तों से गुजरे उनके साथ उनकी पत्नी सीता एवं भाई लक्ष्मण भी थे। वनवास और माता सीता के अपहरण कि कहानी जग प्रसिद्ध है। श्री राम का चरित्र जमीनी वास्तविकताओं से रूबरू कराता है। प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास कि राम से जुडी प्रेरणादायी पंक्तियाँ है-

'क्या है वनवास राम से पूछो,
इसका संत्रास राम से पूछो।
वन मे कैसे सुखी रहा जाए,
इसका अभ्यास राम से पूछो।'

यह पंक्तियाँ श्री राम के जीवन के सघर्ष और धैर्य को दशार्ती है। महलों का सुख छोड़कर चौदह वर्ष जंगल मे भटकने की पीड़ा और उसका गहरा संत्रास क्या होता है। लेकिन कठिन और विषम परिस्थियो से विचलित होने के बजाय, हर हाल मे सुखी रहने की कला भी श्री राम के जीवन मे समाहित है।

श्री राम का जीवन आदर्श, मयार्दा और कोमल मानवीय गुणों से परिपूर्ण है। समानता का संदेश हो या न्याय की स्थापना साधारण मानवीय जीवन के समस्त पहलुओं को स्पर्श करता श्री राम का विराट चरित्र रोशनी के इस महापर्व पर यह संदेश देता है की प्रकाश चंहू और पहुँचे धरा पर अंधेरा कही रह न जाए कविराज गोपालदास नीरज के शब्दों मे-

सृजन है अधूरा अगर विश्व भर में,
कहीं भी किसी द्वार पर है उदासी,
मनुजता नहीं पूर्ण तब तक बनेगी,
कि जब तक लहू के लिए भूमि प्यासी,
चलेगा सदा नाश का खेल यूँ ही,
भले ही दिवाली यहाँ रोज आए
जलाओ दिए पर रहे ध्यान इतना
अँधेरा धरा पर कहीं रह न जाए।

नीरज की कविता पूरी धरती और मानवता के लिए रोशनी की कामना करती है। प्रगति का प्रकाश हर घर फैले, सृजन और नवाचार का उजाला सम्पूर्ण मानवता को रोशन करें। दीपावली पर्व की मूल भावना भी इसी संदेश और विचार से जुडी है। गरीबी, अशिक्षा, अनीति के अंधीयारे से मानवता मुक्त हो, शिक्षा, ज्ञान और नव निर्माण के उजियारे से सारी दुनियाँ प्रकाशित हो। श्री राम का जीवन दर्शन बरसों से दुनियाँ का पथ प्रदर्शन करता आ रहा है। इस दर्शन मे विश्व कल्याण की भावना है, यह दर्शन समानता और न्याय की स्थापना का संदेश देता है।

दुनियाँ के लोग उसी दर्शन, ज्ञान और विचार को ग्रहण करते है जो मानवता के कल्याण का संदेश देते है। रावण रूपी विचार हर दौर मे रहे किंतु उनकी उम्र लम्बी नहीं रही, दुनियाँ पर ताकत, बल और हिंसा से शासन स्थापना की रावणी प्रवृत्तियाँ अब भी अपना रूप दिखाती है। हिंसा और बारूद के बल पर दुनियाँ को अपने इशारे पर चलाने की यह अनीति दुनियाँ को चलाने की नीति कभी नहीं बन पाई। भारत का विचार दुनियाँ मे श्रेष्ठता का भाव इसलिए ही रखता है की हमने मानवता के कल्याण के विचार को स्थापित किया है। रामराज्य इसी शासन व्यवस्था का नाम है, जहां शिक्षा, ज्ञान और न्याय का उजियारा समान रूप से मानवता का कल्याण करें। दीपावली प्रकाश का पर्व है, प्रकाश की अपनी प्रकृति है, वह रुकता नहीं फैलता है। प्रकाशित करता है। दीपावली की मंगल भावना भी सबके कल्याण की है।

दीपावलीः भीतर के प्रकाश और परंपराओं के उत्सव की शृंखला



-अजय कुमार

दीपावली केवल दीपों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह अंधकार पर प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान और अधर्म पर धर्म की शाश्वत विजय का महाउत्सव है। शरद ऋतु की अमावस्या की काली रात को जब देश का कोना-कोना अनगिनत दीयों की रोशनी से जगमगा उठता है, तो ऐसा प्रतीत होता है मानो धरती पर देवता स्वयं उतर आए हों। दीपावली भारतीय संस्कृति का वह दर्पण है, जिसमें हमारी पौराणिक मान्यताएं, पारिवारिक मूल्य और सामाजिक समरसता पूरी भव्यता के साथ दिखाई देती हैं। दीपावली के उत्सव से हफ्तों पहले ही घरों और बाजारों में एक नई ऊर्जा का संचार होने लगता है। लोग अपने घरों की साफ-सफाई, रंग-रोगन और सजावट में जुट जाते हैं। इसके पीछे यह गहरा विश्वास है कि स्वच्छता और पवित्रता में ही धन और ऐश्वर्य की देवी माता लक्ष्मी का वास होता है। बाजारों में रौनक अपने चरम पर होती है। मिट्टी के दीये, रंग-बिरंगी लाइटें, गेंदे के फूलों की मालाएं, खील-बताशे और तरह-तरह की मिठाइयों से दुकानें सजी होती हैं। हवा में एक विशेष प्रकार का उत्साह और सोंधी महक घुली होती है, जो हर दिल को खुशियों से भर देती है।

बहरहाल, दीपावली का त्योहार किसी एक घटना तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके साथ कई अत्यंत महत्वपूर्ण पौराणिक और ऐतिहासिक मान्यताएं जुड़ी हुई हैं, जो इसके महत्व को और अधिक गहरा बनाती हैं। दीपावली से जुड़ी सबसे लोकप्रिय और सर्वमान्य कथा भगवान विष्णु के अवतार श्रीरामचंद्र जी से जुड़ी है। मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम जब लंकापति रावण का वध करके, चौदह वर्ष का कठिन वनवास पूरा कर अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे थे, तब अयोध्यावासियों के हर्ष की कोई सीमा नहीं थी। उस दिन कार्तिक मास की घने अंधकार वाली अमावस्या थी। अपने प्रिय राजा के स्वागत में पूरी अयोध्या नगरी को घी के दीये जलाकर आलोकित किया गया था। तब से लेकर आज तक, उसी प्रकाश पर्व की स्मृति में हर साल दीपावली मनाई जाती है। यह मान्यता हमें सिखाती है कि चाहे अंधकार कितना भी घना हो, धर्म और सत्य की विजय निश्चित है। वहीं, हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार, कार्तिक मास की अमावस्या के दिन ही देवताओं और असुरों द्वारा किए गए समुद्र मंथन के दौरान क्षीर सागर से धन, वैभव और समृद्धि की देवी माता लक्ष्मी का प्राकट्य (जन्म) हुआ था। इसीलिए दीपावली की रात को माता लक्ष्मी के स्वागत और पूजन का विशेष विधान है। लोग अपने घरों के मुख्य द्वार खोलकर रखते हैं और प्रवेश द्वार पर सुंदर रंगोली बनाते हैं, ताकि माता लक्ष्मी उनके घर में सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देने पधारें।

एक अन्य पौराणिक मान्यता के अनुसार, दीपावली के एक दिन पहले (जिसे नरक चतुर्दशी या छोटी दिवाली कहा जाता है) भगवान श्रीकृष्ण ने अत्याचारी राक्षस नरकासुर का वध किया था और उसकी कैद से 16,000 बंदी महिलाओं को मुक्त कराया था। इस क्रूर राक्षस के आतंक से मुक्ति मिलने की खुशी में अगले दिन लोगों ने दीये जलाकर उत्सव मनाया था। यह प्रसंग बुराई के अंत और शोषितों के उद्धार का प्रतीक है। ऐतिहासिक दृष्टिकोण से देखें तो इसी पावन दिन भारत के महान और न्यायप्रिय सम्राट विक्रमादित्य का राज्याभिषेक हुआ था। उन्होंने एक नए युग (विक्रम संवत) की शुरूआत की थी। प्रजा ने अपने प्रिय और लोक-कल्याणकारी राजा के सिंहासन पर बैठने की खुशी में दीप जलाकर पूरे साम्राज्य को रोशन किया था। दीपावली का महत्व केवल सनातन परंपरा तक सीमित नहीं है। जैन धर्म के अनुसार, इसी पावन दिन जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी को मोक्ष (निर्वाण) की प्राप्ति हुई थी। वहीं, सिख इतिहास में इस दिन को बंदी छोड़ दिवस के रूप में बेहद श्रद्धा से मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन छठे गुरु, गुरु हरगोबिंद साहिब जी ने ग्वालियर के किले से 52 हिंदू राजाओं को मुगल बादशाह जहांगीर की कैद से मुक्त कराया था और अमृतसर के स्वर्ण मंदिर पहुंचे थे। दीपावली केवल एक दिन का त्योहार नहीं है, बल्कि यह पूरे पांच दिनों तक चलने वाली एक विस्तृत उत्सव-शृंखला है, जिसमें हर दिन का अपना एक विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। दीपावली का सामाजिक संदेश भी बेहद गहरा है। यह त्योहार ऊंच-नीच, अमीर-गरीब के भेद को मिटाकर सबको एक सूत्र में पिरोता है। लोग अपने पुराने मनमुटाव भूलकर एक-दूसरे को गले लगाते हैं और उपहारों का आदान-प्रदान करते हैं। यह अपनों के करीब आने और रिश्तों की डोर को मजबूत करने का समय है। आधुनिक समय में, इस त्योहार को मनाने के तरीकों में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। लोग अब पर्यावरण के प्रति अधिक जागरूक हो रहे हैं। अत्यधिक शोर और वायु प्रदूषण करने वाले पटाखों की जगह हरित पटाखों वाली दिवाली मनाने पर जोर दिया जा रहा है। मिट्टी के पारंपरिक दीयों का उपयोग फिर से बढ़ रहा है, जिससे न केवल पर्यावरण सुरक्षित रहता है, बल्कि उन गरीब कुम्हारों के घरों में भी खुशियों का दीया जलता है, जो इन्हें बनाते हैं। दीपावली वास्तव में एक ऐसा त्योहार है, जो हमें बाहर के साथ-साथ अपने भीतर के अंधकार को भी मिटाने की प्रेरणा देता है। हमारे भीतर छिपा हुआ क्रोध, लोभ, ईर्ष्या और अहंकार ही असली अंधकार है, जिसे हमें ज्ञान, प्रेम, करुणा और सहानुभूति रूपी दीयों से मिटाना होगा। जब हम समाज के सबसे कमजोर और जरूरतमंद व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान ला सकेंगे, तभी हमारी दीपावली सही मायने में सार्थक होगी। आइए, इस दीपावली पर हम प्रतिज्ञा करें कि हम न केवल अपने घर

अराजकता का पथ: जब भीड़ ही नियम बन जाए



-राजकुमार जैन, स्वतंत्र लेखक

सड़क पर उतरते ही जिस विवेकहीन और उच्छृंखल अराजकता से प्रतिदिन हमारा साक्षात्कार होता है, वह अंततः हमारे भीतर के संस्कार-शून्य समाज का ही नग्न प्रकटीकरण है! यह सभ्यता का मार्ग नहीं। यह कोई संयत संसार नहीं। हमारी सड़कें भोथरी चेतनाओं और हिंसक प्रवृत्तियों का अखाड़ा बन चुकी हैं, जहाँ नियम-कानून नहीं, बल्कि भीड़ की मनमानी ही सर्वोपरि व्यवस्था मान ली गई है।

यहाँ विभिन्न वाहनों पर सवार मनुज किसी भी प्रकार के नागरिक-बोध, आत्म-नियंत्रण और परोपकार-भाव को तिलांजलि देकर केवल अपनी गति और अहंकार के हितसाधन में रत दिखाई पड़ते हैं। लाल बत्ती की अवहेलना करना, उल्टी दिशा में वाहन घुसा देना, और राहगीरों के प्राणों को संकट में डालकर दो क्षण आगे निकल जाना ही मानों इनका इकलौता पुरुषार्थ बन गया है।

जब हर दूसरा व्यक्ति मयार्दा तोड़ रहा हो, तो समाज उसे ही अपनी स्वाभाविक व्यवस्था मान लेता है। दूसरों के अधिकारों को रौंदना और गतिसीमा को धत्ता बताना ही इनका दैनिक आचरण है। इनकी नागरिक आत्माओं ने इन्हें लज्जित करना और कचोटना बंद कर दिया है। यह अनुशासनहीनता, अधीरता और अनियंत्रित कोलाहल का घटाटोप किसी सभ्य समाज का प्रतिबिंब नहीं हो सकता! जब-जब मैंने सड़कों पर लोगों को 'सब ऐसा ही करते हैं' कहकर नियमों का उल्लंघन करते देखा, मन भारी ग्लानि से भर गया। सड़क का यह विकृत व्यवहार उसी अंधी और उन्मादी भीड़ की भाषा बोलता है, व्यवस्था और मयार्दा की नहीं।

दीपावली के उपलक्ष्य में दीप ग्लोबल स्कूल में किला प्रतिकृति निर्माण कार्यक्रम का हुआ आयोजन



पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। दीपावली के पावन पर्व के अवसर पर दीप ग्लोबल स्कूल, सरावली में विद्यार्थियों के लिए पारंपरिक किला निर्माण कार्यक्रम का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने महाराष्ट्र के गौरवशाली इतिहास और स्वराज्य के प्रतीक रायगढ़ किले की आकर्षक एवं भव्य लघु प्रतिकृति तैयार कर अपनी रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छत्रपति शिवाजी महाराज की किले की ओर भव्य शोभायात्रा तथा उन्हें राजसिंहासन पर विराजमान करने की ऐतिहासिक प्रस्तुति रही। विद्यार्थियों ने इस दृश्य के माध्यम से छत्रपति शिवाजी महाराज के अदम्य साहस, शौर्य, पराक्रम और कुशल नेतृत्व को प्रभावशाली ढंग से जीवंत किया। उनकी प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों को मराठा इतिहास और स्वराज्य की गौरवशाली परंपरा की याद दिलाई। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय इतिहास, विशेषकर महाराष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और छत्रपति शिवाजी महाराज के स्वराज्य स्थापना के महान विचारों से परिचित कराना था। इसके साथ ही बच्चों में रचनात्मकता, कलात्मक अभिरुचि, टीम भावना और सामूहिक रूप से कार्य करने की क्षमता विकसित करना भी इस कार्यक्रम का महत्वपूर्ण उद्देश्य रहा। विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत, कल्पनाशीलता और उत्साह के साथ किले की प्रतिकृति को आकर्षक स्वरूप प्रदान किया। इस दौरान बच्चों की ऐतिहासिक समझ और कलात्मक कौशल की झलक देखने को मिली।

केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन अध्यक्ष व भाजपा नेता तुलसीराम केवट का हुआ भव्य स्वागत व सम्मान



मुंबई (उत्तरशक्ति)। केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष तुलसीराम केवट के नेतृत्व में भाजपा नेता एवं मछलीशहर जिला अध्यक्ष महेंद्र यादव के निर्देश पर प्रीति प्रजापति के आवास पर एक विशेष स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मछलीशहर जिला अध्यक्ष महेंद्र यादव का स्वागत किया गया। वहीं केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष तुलसीराम केवट का भी उपस्थित लोगों ने भव्य स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने एक-दूसरे के साथ संवाद किया और सामाजिक एकता, सहयोग एवं संगठन की मजबूती पर जोर दिया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।कार्यक्रम में जीतलाल प्रजापति, प्रीति प्रजापति, श्यामलाल प्रजापति, महेंद्र प्रजापति, अशफीर्लाल गुप्ता, प्यारेलाल प्रजापति, अशोक बिंद, हरिश्चंद्र बिंद, शिक्षक बीरेन्द्र कुमार बिंद, राहुल बिंद, राम आसरे बिंद, डॉ. अनुराग बिंद, शिवराज बिंद, डॉ. महेश प्रताप बिंद, जयानंद चौबे, सत्यम प्रजापति, सीतादेवी प्रजापति एवं श्रीजल प्रजापति सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सामाजिक कार्यकर्ता देवेंद्र मेश्राम भारत विश्वरत्न पुरस्कार 2026 से सम्मानित



पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर निवासी प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता एवं आधार सेवाभावी संस्था के संस्थापक अध्यक्ष देवेंद्र मेश्राम को उनके निस्वार्थ सामाजिक कार्यों के लिए भारत विश्वरत्न पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह 1 नवंबर 2026 को कल्याण के खड़कपाड़ा स्थित के. एम. अग्रवाल कॉलेज के ए.सी. सभागार में आयोजित किया गया। इंडियन कॉपीराइट प्रोटेक्शन एंटी पाइरेसी सेल, मुंबई की ओर से आयोजित इस पुरस्कार समारोह का विशेष उद्देश्य मानसिक रूप से दिव्यांग (बौद्धिक दिव्यांगता से ग्रस्त) बच्चों की सहायता करना और समाज में सेवा एवं मानवता के कार्यों को प्रोत्साहित करना था। देवेंद्र मेश्राम का चयन सामाजिक क्षेत्र, पत्रकारिता, पर्यावरण संरक्षण, पुलिस मित्र, स्वास्थ्य सेवाओं तथा दिव्यांगों के कल्याण के लिए किए गए उनके उल्लेखनीय एवं निस्वार्थ योगदान को देखते हुए किया गया। विभिन्न क्षेत्रों में उनके निरंतर सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें शॉल, प्रशस्ति पत्र एवं भारत विश्वरत्न सम्मान प्रदान कर गौरवान्वित किया गया। कार्यक्रम में इंडियन कॉपीराइट प्रोटेक्शन एंटी पाइरेसी सेल के मुख्य जांच अधिकारी एवं आयोजक रामजीत गुप्ता, भारतीय सेना के सूबेदार महेंद्र गवई, भारुड़ सम्राट गोविंद महाराज गायकवाड, विकास लातें, अभिनेत्री नेहा जोशी, अनिता गुजर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. जितेंद्र जोशी एवं अन्य अतिथियों के हाथों देवेंद्र मेश्राम को सम्मानित किया गया। पुरस्कार समारोह के माध्यम से समाज और राष्ट्र के विकास में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रतिभाशाली व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद देवेंद्र मेश्राम ने आयोजक रामजीत गुप्ता एवं इंडियन कॉपीराइट प्रोटेक्शन एंटी पाइरेसी सेल के सभी पदाधिकारियों और अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

दिसंबर से शुरू हो सकती है ठाणे-भिवंडी मेट्रो सेवा: कपिल पाटिल

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडीकरों का ठाणे तक मेट्रो से सफर करने का इंतजार जल्द खत्म हो सकता है। ठाणे-भिवंडी मेट्रो परियोजना का काम दिसंबर तक पूरा होने और इसी महीने मेट्रो सेवा शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कपिल पाटिल ने शुक्रवार को परियोजना के निरीक्षण के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भिवंडी मेट्रो परियोजना का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को जाता है। वह परियोजना के श्रेय को लेकर राजनीति नहीं करना चाहते। ट्रेन का परीक्षण पूरा होने के बाद कपिल पाटिल ने शुक्रवार को धामणकर नाका, अंजूरफाटा और काल्हेर स्थित मेट्रो स्टेशनों का निरीक्षण किया। इस दौरान मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के अधिकारियों ने काल्हेर स्टेशन पर परियोजना का



प्रस्तुतिकरण देकर निर्माण कार्य की स्थिति से अवगत कराया। अंजूरफाटा स्टेशन पर लिफ्ट और एस्केलेटर लगाने के लिए आवश्यक जगह उपलब्ध कराने में आ रही बाधाओं का मुद्दा भी सामने आया। कपिल पाटिल ने संबंधित जमीन मालिक से फोन पर बातचीत कर परियोजना के लिए सहयोग की अपील की। उन्होंने भरोसा जताया कि जमीन अधिग्रहण से जुड़ी समस्याओं का जल्द समाधान होगा। पाटिल ने कहा कि भिवंडी के लिए मेट्रो अब जरूरत बन चुकी है। दिसंबर में सेवा शुरू होने से लाखों नागरिकों का सफर तेज और सुविधाजनक होगा। इससे शहर में यातायात जाम की समस्या कम होने के साथ औद्योगिक विकास को भी गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 में भिवंडी की यातायात समस्या को देखते हुए ठाणे से भिवंडी होते हुए कल्याण तक मेट्रो सेवा शुरू करने की मांग की थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जबकि वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परियोजना का भूमिपूजन किया था। परियोजना के श्रेय को लेकर कपिल पाटिल ने कहा कि भिवंडी मेट्रो का श्रेय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को जाता है और भिवंडीकर उनके योगदान को कभी नहीं भूलेंगे। उन्होंने महायुति के नेताओं और कार्यकर्ताओं से एक-दूसरे के योगदान का सम्मान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी परियोजना का श्रेय लेने के साथ उन लोगों के प्रयासों का भी उल्लेख करना चाहिए, जिन्होंने इसके लिए काम किया है। कपिल पाटिल ने बताया कि ठाणे-भिवंडी-कल्याण मेट्रो परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने लगातार प्रयास किए हैं।

भिवंडी मनपा द्वारा छह स्थानों पर पटाखा बिक्री की अनुमति, अवैध स्टॉल लगाने पर होगी कार्रवाई

भिवंडी। भिवंडी मनपा ने दिवाली के अवसर पर पटाखा बिक्री के लिए छह स्थान निर्धारित किए हैं। मनपा ने विक्रेताओं से निर्धारित स्थानों पर ही लाइसेंस लेकर पटाखों की बिक्री करने की अपील की है। निर्धारित स्थानों में नजराना टॉकीज मैदान, पद्मानगर स्थित कमटम बिल्डिंग के पास का मैदान, टेमघर स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज क्रीड़ांगण, अंजुरफाटा में के.आर. हाईट्स बिल्डिंग के सामने, पद्मानगर स्थित भैरी बिल्डिंग और कामतघर गणपति विसर्जन घाट शामिल हैं। मनपा की नई प्रशासनिक इमारत के भूतल पर पटाखा लाइसेंस के लिए एक खिड़की योजना के तहत अलग कक्ष बनाया गया है। विक्रेताओं को अग्निशमन विभाग का अनापत्ति प्रमाणपत्र लेना, टोरेंट पावर से बिजली कनेक्शन प्राप्त करना और साफ-सफाई बनाए रखना अनिवार्य होगा। बिना अनुमति स्टॉल लगाने वालों का माल जब्त किया जाएगा। मनपा ने प्रतिबंधित और 125 डेसीबल से अधिक आवाज करने वाले पटाखों की बिक्री व इस्तेमाल नहीं करने की चेतावनी दी है। विक्रेताओं को लाइसेंस नंबर स्टॉल पर प्रदर्शित करना होगा। नागरिकों से पर्यावरण अनुकूल और प्रदूषण मुक्त दिवाली मनाने तथा प्लास्टिक के बजाय कपड़े की थैलियों का उपयोग करने की अपील की गई है। अवैध पटाखा बिक्री की शिकायत लाइसेंस विभाग के जुल्फिकार सय्यद (मो. 9890857560) से किया जा सकता है।

भाजपा नगरसेवक नवीन सिंह ने तक्षील नरेंद्र मेहता को जन्मदिन की दी हार्दिक शुभकामनाएं



मीरा रोड (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड के वार्ड क्रमांक 16 के भाजपा नगरसेवक नवीन सिंह ने तक्षील नरेंद्र मेहता को उनके जन्मदिन के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर नवीन सिंह ने उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर सफलता की कामना करते हुए कहा कि युवा सोच, नई ऊर्जा और जनसेवा के प्रति समर्पण ही समाज को आगे बढ़ाने की असली ताकत है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि तक्षील नरेंद्र मेहता का जीवन सदैव सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और ऊर्जा से परिपूर्ण रहे।

वे इसी तरह जीवन में नई ऊंचाइयों को छूते रहें और समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनें। नवीन सिंह ने अपने शुभकामना संदेश में युवा जोश, सेवा का जुनून और आगे बढ़ने के संकल्प को सफलता का मूलमंत्र बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

झोपड़पट्टीवासियो को न्याय दिलाने के लिए रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया सदैव संघर्ष करती रहेगी : केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आज मुंबई के नगर और उपनगरों में झोपड़पट्टीवासियो को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कही पर पानी की समस्या तो कहीं पर शौचालय की ऐसे में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया झोपड़पट्टियों में व्याप्त मूलभूत समस्याओं को सुलझाने के लिए सदैव संघर्ष करती रहेगी। उपरोक्त बातें रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने मानखुर्द के चिक्कुवाडी में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया बंजारा आघाड़ी के महाराष्ट्र अध्यक्ष कामू पवार द्वारा आयोजित एक समारोह में कही। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने केंद्र तथा महाराष्ट्र सरकार की नीतियों की



प्रशंसा करते हुए यह भी कहा कि देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे भारत का चहुंमुखी विकास युद्ध स्तर पर शुरू है। इसी तरह महाराष्ट्र में भी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में पूरे राज्य में तेजी से विकास शुरू है।बता दें कि मानखुर्द के चिक्कुवाडी में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया बंजारा आघाड़ी के महाराष्ट्र अध्यक्ष कामू पवार द्वारा आयोजित एक पारिवारिक समारोह बालमुंडन कार्यक्रम में आठवले बतौर प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इसके अलावा महाराष्ट्र के जलसंपदा मंत्री संजय राठोड़, पूर्व मंत्री नवाब मलिक, आर पी आई महाराष्ट्र के महासचिव गौतम सोनवने, भाजपा महाराष्ट्र के प्रवक्ता नगरसेवक नवनाथ बन, आदिवासी पारधी महासंघ मुंबई व नवी मुंबई के अध्यक्ष संतोष एकनाथ पवार, आर पी आई दक्षिण मध्य मुंबई के जिला अध्यक्ष संजय डोलसे, जिला महासचिव अनीश पठान सहित बड़ी संख्या लोग उपस्थित थे। इस दौरान केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले और जलसंपदा मंत्री संजय राठोड़ को आदिवासी पारधी महासंघ मुंबई व नवी मुंबई के अध्यक्ष संतोष एकनाथ पवार द्वारा आदिवासी पारधी समाज की विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन भी दिया गया।

बालासाहेब ठाकरे कलादालन का मंत्री प्रताप सरनाईक ने किया निरीक्षण, बच्चों के लिए सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर

◆दिवाली की छुट्टियों में बच्चों ने किड्स जोन का लिया आनंद, मंत्री ने बच्चों से किया संवाद; नई पीढ़ी को कला और संस्कृति से जोड़ने की पहल



मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री एवं मीरा-भायंदर के विकास कार्यों पर विशेष ध्यान देने वाले प्रताप सरनाईक ने 6 नवंबर 2026 को मीरा-भायंदर स्थित हिंदू हृदयसम्राट स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे कलादालन का दौरा कर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कलादालन में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं, वर्तमान स्थिति और आवश्यक विकास कार्यों का जायजा लिया। दिवाली की छुट्टियां शुरू होने के कारण बड़ी संख्या में बच्चे कलादालन पहुंचे थे। इस अवसर पर बच्चों ने वहां बने किड्स जोन का आनंद लिया। मंत्री प्रताप सरनाईक ने बच्चों से बातचीत कर उनका उत्साह बढ़ाया और उनकी गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मंत्री सरनाईक ने कलादालन के उचित रखरखाव और उपलब्ध सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस कलादालन को नागरिकों के लिए अधिक उपयोगी और आकर्षक बनाने के साथ-साथ नई पीढ़ी को कला, संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत से जोड़ना बेहद जरूरी है। उन्होंने कलादालन में आवश्यक सुधार कार्यों पर विशेष ध्यान देने की बात कही, ताकि यहां आने वाले नागरिकों, विशेषकर बच्चों और युवाओं को कला एवं संस्कृति की समृद्ध विरासत को करीब से जानने और अनुभव करने का अवसर मिल सके। कलादालन को एक बेहतर सांस्कृतिक और प्रेरणादायी केंद्र के रूप में विकसित करना ही इस पहल का मुख्य उद्देश्य है।

माणकोली फ्लाईओवर पर नानासाहेब धर्माधिकारी के नामपट्टिका लगाने की मांग

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के मानकोली नाका स्थित फ्लाईओवर को महाराष्ट्र भूषण तीर्थरूप नानासाहेब धर्माधिकारी का नाम दिया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल ने इसके नामकरण में पहल की थी।

लेकिन वर्तमान में फ्लाईओवर पर लगी नामपट्टिका की हालत खराब हो गई है। पट्टिका के कई अक्षर गिर जाने से नानासाहेब धर्माधिकारी का पूरा नाम पढ़ना भी मुश्किल हो गया है। विशेष बात यह है कि पिछले एक साल से नामपट्टिका की यही स्थिति बनी हुई है और संबंधित प्रशासन द्वारा इसकी मरम्मत की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। महाराष्ट्र भूषण सम्मान से सम्मानित नानासाहेब धर्माधिकारी का नाम इस तरह उपेक्षित रहना दुखद है। नानासाहेब धर्माधिकारी ने समाज प्रबोधन, व्यसनमुक्ति, स्वच्छता और सामाजिक परिवर्तन के क्षेत्र में



महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ऐसे समाज सुधारक के नाम वाले फ्लाईओवर की नामपट्टिका की दुर्दशा को देखते हुए जनप्रतिनिधियों और प्रशासन को गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। इस संबंध में दैनिक स्वराज्य तोरण के संपादक डॉ. श्री किशोर बलिराम पाटील ने पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटील, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सरपंच तथा संबंधित प्रशासन से मांग की है कि पुरानी खराब नामपट्टिका को हटाकर आकर्षक, गुणवत्तापूर्ण और टिकाऊ नई नामपट्टिका तत्काल लगाई जाए। उन्होंने कहा कि महापुरुषों और समाज सुधारकों के नाम का सम्मान केवल नामकरण तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उनके नाम की उचित देखभाल करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

वार्ड क्रमांक 159 की नागरिक समस्याओं को लेकर नगरसेवक प्रकाश मोरे ने मनपा आयुक्त अश्विनी भिडे से की मुलाकात

खैरानी रोड के श्मशानभूमि का काम, सड़क, ड्रेनेज, जलापूर्ति और स्वास्थ्य सुविधाओं के मुद्दे उठाए



मुंबई (उत्तरशक्ति)। चांदिवली विधानसभा क्षेत्र के साकीनाका स्थित वार्ड क्रमांक 159 की लंबित नागरिक समस्याओं के समाधान के लिए नगरसेवक प्रकाश देवजी मोरे ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका मुख्यालय में मनपा आयुक्त अश्विनी भिडे से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने वार्ड की विभिन्न बुनियादी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। मुलाकात के दौरान खैरानी रोड स्थित प्रस्तावित हिंदू श्मशानभूमि का निर्माण कार्य जल्द से जल्द शुरू करने का महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया गया। इसके अलावा वार्ड में सड़कों की खराब स्थिति, ड्रेनेज व्यवस्था, जलापूर्ति तथा स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं पर भी चर्चा की गई।

नगरसेवक प्रकाश मोरे ने मनपा आयुक्त से मांग की कि क्षेत्र के नागरिकों को आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने और उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए जाएं। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा और वार्ड के सर्वांगीण विकास के लिए उनका प्रयास निरंतर जारी रहेगा। नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना उनकी प्राथमिकता है।

बालासाहेब ठाकरे की आर्ट गैलरी बंद नहीं होने देंगे, निजी खर्च से हर महीने 10 लाख रुपये दूंगा : मंत्री प्रताप सरनाईक

◆खर्चों का हवाला देकर बालासाहेब का अपमान बर्दाश्त नहीं करूंगा; नगर निगम आर्थिक रूप से सक्षम नहीं है तो महापौर लिखित पत्र दें: सरनाईक

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर में हिंदूहृदयसम्राट स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे के नाम पर निर्मित भव्य आर्ट गैलरी को लेकर राजनीतिक विवाद गहराता जा रहा है। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री एवं धाराशिव जिले के पालकमंत्री प्रताप सरनाईक ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा है कि यदि मीरा-भायंदर महानगरपालिका इस आर्ट गैलरी का संचालन और रखरखाव करने में आर्थिक रूप से सक्षम नहीं है, तो वे इसके लिए हर महीने 10 लाख रुपये अपने निजी खर्च से देंगे। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि खर्च का मुद्दा उठाकर बालासाहेब ठाकरे की विरासत का अपमान वे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। मंत्री प्रताप सरनाईक ने 6 नवंबर को आर्ट गैलरी का दौरा कर वहां की सुविधाओं, वर्तमान स्थिति और आवश्यक कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि पिछली समीक्षा बैठक में महानगरपालिका प्रशासन को दीपावली की छुट्टियों के दौरान 15 दिनों तक आर्ट गैलरी आम नागरिकों, बच्चों और विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क खोलने के निर्देश दिए गए थे, ताकि नई पीढ़ी इस कला भवन का लाभ उठा सके। इसी निर्देश के तहत उन्होंने आज वहां पहुंचे विद्यार्थियों को आर्ट गैलरी देखने और उसका आनंद लेने की अनुमति दी।इस दौरान महानगरपालिका के अधिकारी भी उपस्थित थे। मंत्री सरनाईक ने कहा कि यदि प्रशासन आर्थिक कारणों से इस भवन का संचालन नहीं कर सकता, तो वे प्रतिमाह अनुमानित 10 लाख रुपये का खर्च स्वयं उठाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह राशि अगले महीने से सीधे महापौर निधि में जमा कराने की बात कही। साथ ही उन्होंने महापौर से लिखित रूप में यह बताने की मांग की कि महानगरपालिका के पास आर्ट गैलरी चलाने की आर्थिक क्षमता नहीं है। भ्रष्टाचार के आरोपों पर भी साधा निशाना मंत्री सरनाईक ने आर्ट गैलरी के संचालन को लेकर सवाल उठाने वालों और भ्रष्टाचार के आरोपों का हवाला देकर इसे बंद रखने की भूमिका पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सवाल किया कि जिन लोगों के नाम कथित भ्रष्टाचार के मामलों में सामने आए हैं, उन्हें इस प्रतिष्ठित इमारत पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार किसने दिया? उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों की कार्यशैली विकास परियोजनाओं में बाधाएं खड़ी करने और काम पूरा होने के बाद उसका श्रेय लेने तक सीमित रही है। मिनी क्लस्टर योजना से लेकर मेट्रो तक विकास कार्यों का किया जिक्र मंत्री ने मीरा-भायंदर के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों का उल्लेख करते हुए क्लस्टर योजना, मेट्रो परियोजना, पानी की समस्या और पुरानी एवं जर्जर इमारतों के पुनर्विकास का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले तीन वर्षों में क्लस्टर योजना का विरोध किए जाने के कारण 178 से अधिक परिवारों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। उनके अनुसार, सरकारी स्तर पर लगातार प्रयासों के बाद मिनी क्लस्टर योजना को मंजूरी दिलाई गई, लेकिन अब कुछ लोग इसका श्रेय लेने के लिए आगे आ रहे हैं। सरनाईक ने कहा कि शहर की महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं को लेकर राजनीतिक श्रेय लेने की प्रवृत्ति दुर्भाग्यपूर्ण है। विकास कार्यों में सहयोग करने के बजाय अड़चनें पैदा करना और बाद में उपलब्धियों का श्रेय लेना उचित नहीं है। बालासाहेब के नाम की आर्ट गैलरी को अपने खर्च पर चलाऊंगा' पूरे मामले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा, हम शहर के विकास के लिए दिन-रात मेहनत करते थे और कुछ लोग उसमें बाधाएं पैदा करते थे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

संदिग्ध परिस्थितियों में कीटनाशक पीने से विवाहिता की मौत, गांव में मचा हड़कंप

फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जुटाए साक्ष्य, पुलिस जांच में जुटी



गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के पांडेयपुर उमरी गांव में गुरुवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में कीटनाशक पीने से 20 वर्षीय विवाहिता रीना पत्नी गोकुल की मौत हो गई। घटना की सूचना पर शुक्रवार सुबह पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

बताया जाता है कि रीना की शादी करीब दो वर्ष पूर्व हुई थी। उसका मायका आजमगढ़ जिले के मेहनगर में है। गुरुवार रात किसी बात से नाराज होकर उसने कीटनाशक पी लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे निजी चिकित्सक के पास ले गए, जहां से जिला अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई। हालांकि, परिजन उसे घर वापस ले आए। देर रात करीब 12 बजे उसकी मौत हो गई। शुक्रवार सुबह मायके पक्ष के लोगों के पहुंचने पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने घटनास्थल की जांच की, वहीं फॉरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य एकत्र किए। थानाध्यक्ष प्रकाश शुक्ला ने बताया कि मायके पक्ष से तहरीर मिलने पर उसके आधार पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से ई-रिक्शा के उड़े परखच्चे, दो घायल बीएचयू ट्रामा सेंटर रेफर



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के सीहीपुर में गुरुवार देर रात करीब साढ़े नौ बजे अज्ञात वाहन की टक्कर से ई-रिक्शा सवार आशीष प्रजापति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। घायलों में दो को बीएचयू ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार फतेहगंज निवासी आनंद प्रजापति, शिवम गौतम, यश जायसवाल, निखिल रावत और आशीष प्रजापति ई-रिक्शा से टीडी कॉलेज की ओर से मूर्ति लेकर जा रहे थे। सीहीपुर ओवरब्रिज से नीचे उतरकर भाजपा कार्यालय के पास पहुंचे ही थे कि पीछे से आए अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा दो हिस्सों में टूट गया।

हादसे में आशीष की मौत हो गई, जबकि अन्य लोग घायल हुए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई की। थाना प्रभारी विनीत राय ने बताया कि पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश करते हुए मामले की जांच कर रही है।

धनतेरस पर खुलेगा माँ अन्नपूर्णा के स्वर्णमयी कपाट, पांच दिनों तक काशी में बरसेगी कृपा



वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में धनतेरस के पावन पर्व पर काशी के अन्नपूर्णा मंदिर में श्रद्धालुओं को मां अन्नपूर्णा की स्वर्णमयी प्रतिमा के दर्शन के साथ खजाना प्राप्त करने का अवसर मिलेगा, बाबा विश्वनाथ को अन्नझधन की भिक्षा देने वाली मां अन्नपूर्णा के दरबार में 6 से 10 नवंबर तक 5 दिनों के लिए विशेष दर्शन की व्यवस्था की गई है इस दौरान माता के साथ भूमि देवी, लक्ष्मी और रजत महादेव के भी दर्शन होंगे।

आज बुधवार को बांस फाटक स्थित काशी अन्नपूर्णा क्षेत्र के सभागार में महंत शंकर पुरी ने बताया कि धनतेरस पर 6 नवंबर को सुबह तीन बजे से पूजन शुरू होगा, सुबह पौने पांच बजे तक विधि विधान से पूजन और आरती संपन्न होगी, इसके बाद सुबह पांच बजे आम श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के कपाट खोल दिए जाएंगे, इस दिन सुबह 11:30 बजे तक स्वर्णमयी प्रतिमा के दर्शन और खजाना वितरण होगा, श्रद्धालुओं को मंदिर बंद होने तक खजाना प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

महंत शंकरपुरी महराज ने बताया कि इस बार धनतेरस पर विशेष शुभ योग बन रहा है, अभिजीत मुहूर्त में माता का पूजन और आरती करने के बाद भंडार के साथ 21 किलो चांदी भंडार का भी पूजन किया जाएगा, मान्यता है कि मां अन्नपूर्णा का खजाना प्राप्त करने से घर में सुख समृद्धि और धन झ धान्य की वृद्धि होती है।

मुसहर समाज के बच्चों में स्कूली कीट हुआ वितरण

आस्था महिला एवं बाल विकास संस्था व जीव दया फाउंडेशन के सहयोग से हुआ कार्यक्रम



केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के थानागद्दी अंतर्गत स्थित खण्ड शिक्षा कार्यालय पर आस्था महिला एवं बाल विकास संस्था व जीव दया फाउंडेशन के सहयोग से मुसहर समुदाय के बच्चों को खण्ड शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार वैश्य ने बच्चों को स्कूली बैग,कापी,पेंसिल सेनेट व अन्य आवश्यक शैक्षिक सामग्री बच्चों में वितरित की। साथ ही बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय जाने,शिक्षा को गंभीरता से लेने तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और समाज में समान अवसरों की नींव है।आस्था महिला एवं बाल विकास संस्था वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।साथ ही जीव दया फाउंडेशन भी समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण हेतु सामाजिक सहयोग कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभा रही है।वही कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने मुसहर समुदाय के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने को सराहनीय पहल बताया। खण्ड शिक्षा कार्यालय के साथ प्राथमिक विद्यालय बेहड़ा,कंपोजिट विद्यालय प्रेसोडा पर भी कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों में स्कूली कीट वितरण किए गए।इस अवसर पर संस्था की प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर बंदना,अंकित, प्रधानाचार्य विवेक सिंह,जीवदया की अध्यापिका अनीता के साथ भारी संख्या में बच्चे मौजूद रहे।

जौनपुर में अंतरराज्यीय चोर गिरोह का भंडाफोड़, 14 गिरफ्तार

तीन थाना क्षेत्रों की पुलिस ने की संयुक्त कार्रवाई, चार चोरी की बाइक, चेन, चार मोबाइल और 8,180 रुपये बरामद

बिहार के रहने वाले हैं गिरोह के सदस्य, मेले और भीड़भाड़ वाले बाजारों में देते थे चोरी की घटनाओं को अंजाम





जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जौनपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कोतवाली, मछलीशहर और मुंगराबादशाहपुर थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय चोर गिरोह के कुल 14 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में पुरुषों के साथ महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की चार मोटरसाइकिल, पीली धातु की एक चेन, चार मोबाइल फोन और 8,180 रुपये नकद बरामद किए हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक नगर और अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के पर्यवेक्षण एवं दिशा-निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, गिरोह के सदस्य बिहार के विभिन्न जिलों के रहने वाले हैं और अलग-अलग जनपदों में घूमकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे।

कोतवाली पुलिस ने आठ आरोपियों को किया गिरफ्तार: कोतवाली पुलिस टीम ने पांच पुरुष और तीन महिलाओं समेत कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें नसीब, दिलीप कुमार, सूरज खरवार, डीएम खरवार, सत्यम खरवार, सुन्दरी, खुशी देवी और नेहा शामिल हैं। ये सभी बिहार के रोहतास, कैमूर और आसपास के क्षेत्रों के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से एक पीली धातु की चेन, 3,480 रुपये नकद, चोरी की दो मोटरसाइकिल और चार मोबाइल फोन बरामद किए। बरामद चेन को कोतवाली में दर्ज चोरी के मुकदमे से संबंधित बताया गया है, जबकि एक मोटरसाइकिल गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के मामले से जुड़ी है। आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेजा गया।

मछलीशहर पुलिस ने चार आरोपियों को पकड़ा: मछलीशहर थाना पुलिस ने छह नवंबर की रात गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग के दौरान चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में विक्रमा उर्फ सोस, अविनाश उर्फ विनाश, सरिता देवी और पिंकी शामिल हैं। ये सभी बिहार के बक्सर और कैमूर जनपद के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल और चेन की बिक्री से प्राप्त 4,700 रुपये बरामद किए। इस संबंध में थाना मछलीशहर में मुकदमा अपराध संख्या 342/26 के तहत बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, इन आरोपियों का पूर्व आपराधिक इतिहास नहीं मिला है।

मुंगराबादशाहपुर पुलिस ने दो बाइक चोरों को दबोचा: इसी अभियान के तहत मुंगराबादशाहपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम बहोरिकपुर सड़क के पास से दो आरोपियों सनी खरवार और टूना खरवार को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से सुजानगंज क्षेत्र से चोरी की गई एक स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद हुई।

पुलिस ने इस मामले में मुकदमा अपराध संख्या 353/26 के तहत बीएनएस की संबंधित धाराओं में कार्रवाई की है। पूछताछ और विवेचना के दौरान दो महिलाओं बिजन्ती और कासगी के नाम भी प्रकाश में आए हैं। पुलिस के अनुसार, इन दोनों की गिरफ्तारी अभी शेष है।

मेले और बाजारों में बनाते थे महिलाओं को निशाना: पुलिस की पूछताछ में गिरोह के सदस्यों ने बताया कि वे बिहार के रहने वाले हैं और अलग-अलग जनपदों में घूमकर काम-धंधा करने के बहाने रहते थे। जहां कहीं मेला या भीड़भाड़ वाला स्थान मिलता था, वहां मौका देखकर मोटरसाइकिल चोरी कर लेते थे।

गिरोह में शामिल महिलाएं बाजारों, कस्बों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर महिलाओं के गले से मंगलसूत्र और चेन आदि चुपके से काटकर चोरी करती थीं। चोरी किए गए सामान को बेचकर प्राप्त धनराशि से गिरोह के सदस्य अपना खर्च चलाते थे।

पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और बरामदगी के आधार पर संबंधित मामलों में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में तीनों थानों की पुलिस टीमों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दीपावली सुख-शांति और सद्भाव का पर्व: कुलपति

कुलपति प्रो.राकेश कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय परिवार को दी शुभकामनाएं

एकजुटता और सहयोग से संस्थान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का किया आह्वान



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने दीपावली के पावन अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं आमजन को हार्दिक शुभकामनाएं दीं है। उन्होंने कहा कि दीपावली केवल प्रकाश, उल्लास और समृद्धि का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन में सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य और सकारात्मकता के साथ नई ऊर्जा एवं आत्मविश्वास का संचार करने का अवसर भी है। यह पर्व हमें आपसी विश्वास, सम्मान और सहयोग की संस्कृति को मजबूत करने तथा एक-दूसरे के साथ मिलकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

कुलपति ने अपने संदेश में कहा कि विश्वविद्यालय की प्रत्येक उपलब्धि में सभी शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों और विद्यार्थियों के ज्ञान, परिश्रम और समर्पण का योगदान है। शिक्षा एवं शोध से लेकर प्रशासन, तकनीकी सेवाओं और परिसर की देखरेख तक, सभी की भूमिका विश्वविद्यालय की पहचान और प्रतिष्ठा को मजबूत बनाती है। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार से एकजुट होकर संस्थान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि एक-दूसरे की बात सुनते हुए, कठिनाइयों में साथ देते हुए और मिलकर समाधान तलाशते हुए संस्थान को नई दिशा दी जा सकती है। प्रत्येक कर्मचारी का योगदान महत्वपूर्ण है और सभी के सामूहिक प्रयासों से ही विश्वविद्यालय परिवार मजबूत बनता है।

कुलपति ने आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में ऐसा शैक्षणिक वातावरण विकसित करना आवश्यक है, जो शिक्षण, शोध, नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करे। इसके लिए तकनीकी दक्षता के साथ मानवीय संवेदनशीलता, नैतिकता और जिम्मेदारी को भी प्राथमिकता देनी होगी। एआई के विवेकपूर्ण उपयोग से विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक आवश्यकताओं की प्रभावी पूर्ति की जा सकती है। उन्होंने विश्वविद्यालय की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, समयबद्धता, पारदर्शिता और निरंतर सुधार के प्रति सजग रहना होगा। साथ ही शोध, अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। समुदाय सेवा, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय समस्याओं के समाधान से जुड़े प्रयासों के माध्यम से विश्वविद्यालय के ज्ञान एवं संसाधनों का लाभ समाज तक पहुंचाना भी महत्वपूर्ण है।

कुलपति प्रो. सिंह ने विश्वास जताया कि सभी के अनुभव, सुझाव और सहभागिता से विश्वविद्यालय नई उपलब्धियां हासिल करेगा। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार से अपने कार्यों के माध्यम से विद्यार्थियों के भविष्य को बेहतर बनाने और संस्थान की प्रतिष्ठा बढ़ाने का संकल्प लेने की अपील की।

विधायक के आश्वासन पर खुला शाहगंज-बदलापुर हाईवे

नीरव सिंह की हत्या से नाराज परिजनों ने किया था जाम



बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर विधानसभा क्षेत्र के तिलवारी गांव निवासी नीरव सिंह की मौत से आक्रोशित परिजनों द्वारा शुक्रवार सुबह शाहगंज-बदलापुर हाईवे पर लगाया गया जाम विधायक रमेश चंद्र मिश्रा के आश्वासन के बाद समाप्त हो गया। विधायक ने मौके पर पहुंचकर शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया और क्षेत्रीय लोगों को समझा-बुझाकर सड़क जाम खुलवाया। इसके बाद हाईवे पर आवागमन बहाल हो गया।

जानकारी के अनुसार, करीब 32 वर्षीय नीरव सिंह की बुधवार रात शाहगंज-बदलापुर मार्ग पर ईंट और तमंचे के बट से हमला कर हत्या किए जाने का मामला सामने आया था। घटना से आक्रोशित परिजनों ने शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे खुटहन थाना क्षेत्र के तिलवारी गांव के पास हाईवे जाम कर दिया। उनकी मांग थी कि मामले में हत्या की समुचित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए और पीड़ित परिवार को शासन स्तर से सहायता दिलाई जाए।

विधायक ने निष्पक्ष जांच और सहायता का दिया भरोसा:

जाम की सूचना पर सुबह 11 बजे विधायक रमेश चंद्र मिश्रा मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से बातचीत कर उनकी मांगों को सुना और उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। विधायक ने मौके पर मौजूद क्षेत्राधिकारी प्रतिमा वर्मा को प्रकरण की गहनता से जांच करने तथा पीड़ित परिजनों को हरसंभव सहायता दिलाने में सहयोग करने के निर्देश दिए।

मौके पर बदलापुर थाना प्रभारी फूलचंद पांडेय, खुटहन थाना प्रभारी शहजान, सीओ प्रतिमा वर्मा सहित विभिन्न स्थानों से पुलिस बल मौजूद रहा। विधायक के समझाने और आश्वासन के बाद परिजनों ने जाम समाप्त कर दिया। मामले में पुलिस जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।



संस्कार भारती ने 12 कुम्हारों को सम्मानित किया

शाहगंज में अंगवस्त्र और मिठाई भेंट की, दो दिवसीय अभियान के दूसरे दिन भी होगा सम्मान



शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दीपावली पर संस्कार भारती की शाहगंज इकाई ने मिट्टी के दीपक बनाने वाले 12 कुम्हारों को सम्मानित किया। संस्था के अध्यक्ष रचित चौरसिया के नेतृत्व में गुरुवार को यह कार्यक्रम हुआ। अभियान के दूसरे दिन शुक्रवार को भी कुम्हारों का सम्मान किया जाएगा। पावर हाउस के पास नटौली और रामलीला मैदान के पार्क के पीछे कुम्हारों को तिलक लगाया गया। उन्हें अंगवस्त्र और मिठाई भेंट की गई। संस्था के सदस्यों ने उनका आशीर्वाद लिया और उनके काम के प्रति सम्मान जताया।

रचित चौरसिया ने कहा कि सीमित आय और आर्थिक चुनौतियों के बावजूद कुम्हार पीढ़ियों से अपनी कला के जरिए भारतीय संस्कृति की परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की पहचान हैं। इन्हें बनाने में कुम्हारों का परिश्रम और पीढ़ियों का अनुभव जुड़ा है। शुक्रवार को अक्खन सराय, सबरहद और अन्य जगहों पर कुम्हारों को सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम में संस्था के महामंत्री वीरेंद्र यादव वीरू, कोषाध्यक्ष प्रवीण बरनवाल, उपाध्यक्ष श्यामप्रकाश 'सिम्पू', मंत्री आनंद मोदनवाल, बड़े लाल यादव, मीडिया प्रभारी दीपक सिंह, सदस्य दिनेश मोदनवाल, संस्कार मित्र रामजी यादव, कान्हा मोदनवाल, दिलीप अग्रहरि और प्रमेन्द्र यादव सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

कृष्णा स्कूल ऑफ नर्सिंग में भव्य रूप से आयोजित हुआ 'युवा संवाद'

डॉ.रॉबिन सिंह ने युवाओं को दिया राष्ट्र निर्माण में भागीदारी का संदेश



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। युवाओं में राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूकता, सामाजिक जिम्मेदारी एवं सकारात्मक सोच विकसित करने के उद्देश्य से मेरा युवा भारत, जौनपुर (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) के तत्वावधान में कृष्णा स्कूल ऑफ नर्सिंग में 'युवा संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, शिक्षकों एवं माय भारत के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. रॉबिन सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को साकार करने में युवा पीढ़ी की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। आज का युवा केवल देश का भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा, नवाचार और सकारात्मक सोच ही भारत को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है।

उन्होंने कहा कि युवा संवाद जैसे कार्यक्रम युवाओं को अपने विचार व्यक्त करने, देश की चुनौतियों को समझने और राष्ट्रहित में अपनी जिम्मेदारियों का एहसास करने का अवसर प्रदान करते हैं। युवाओं को केवल अपने व्यक्तिगत विकास तक सीमित न रहकर समाज और देश के विकास के लिए भी आगे आना चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा, विज्ञान और तकनीक सहित प्रत्येक क्षेत्र में युवाओं की सक्रिय भागीदारी विकसित भारत के निर्माण का मजबूत आधार बनेगी।

डॉ. सिंह ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने भीतर आत्मविश्वास, अनुशासन और सेवा भाव विकसित करें। उन्होंने कहा कि देश में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए हर युवा को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। छोटे-छोटे प्रयास भी सामूहिक रूप से बड़े सामाजिक बदलाव का आधार बन सकते हैं।

कार्यक्रम में यूथ आइकॉन आशीष सोनी ने स्वच्छ के संबंध में युवाओं को जागरूक किया। उन्होंने इसकी प्रक्रिया एवं महत्व की जानकारी देते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था में युवाओं की जागरूकता और सहभागिता को आवश्यक बताया।

कार्यक्रम का सफल संचालन माय भारत वॉलंटियर सुमित सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सहायक अध्यापिका चांदनी असलम ने किया। उन्होंने सभी अतिथियों, आयोजकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर पवन सिंह (मैनेजर), प्रदीप मौर्य, स्नेहा मिश्रा, उत्कर्ष तिवारी, रॉबिन यादव, अंगद यादव सहित कृष्णा स्कूल ऑफ नर्सिंग के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारीगण, माय भारत के स्वयंसेवक तथा बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन युवाओं में राष्ट्र के प्रति समर्पण, सामाजिक सहभागिता और सकारात्मक बदलाव की भावना को मजबूत करने के संदेश के साथ हुआ। ह्यूवा संवादह्न ने युवाओं को यह प्रेरणा दी कि विकसित भारत का सपना केवल सरकार का लक्ष्य नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक युवा की सामूहिक जिम्मेदारी और संकल्प है।

शाहगंज का 188 साल पुराना चूड़ी मेला संपन्न, दुकानदारों ने कारोबार पर जताया संतोष; पुलिस ने संभाली सुरक्षा



शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर का 188 साल पुराना चूड़ी मेला गुरुवार को संपन्न हो गया। शुरूआती दो दिनों की बारिश के बाद मौसम साफ हुआ और मेले में ग्राहकों की भीड़ उमड़ी। दुकानदारों ने कारोबार पर संतोष जताया। मेले में दूर-दराज से आए दुकानदारों ने बताया कि लगातार बारिश के कारण शुरूआत में बिक्री कम रही। मौसम साफ होने के बाद महिलाओं और युवतियों ने चूड़ियां, कंगन, बैग, आर्टिफिशियल ज्वेलरी और श्रृंगार का सामान खरीदा। दुकानदारों ने अगले साल भी मेले में दुकान लगाने की बात कही। मेले के अंतिम दिन पुरुषों को भी प्रवेश मिला। इससे खरीदारी का उत्साह बढ़ा। उपनिरीक्षक अजय यादव की देखरेख में चार महिला और चार पुरुष कांस्टेबल मेले में सुरक्षा संभालते रहे। महिला पुलिसकर्मियों ने महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा पर नजर रखी। पुरुष कांस्टेबलों ने भीड़ संभाली। स्थानीय लोगों और ग्राहकों ने पुलिस की सक्रियता की सराहना की।

धनतेरस एवं आगामी त्योहारों को लेकर पुलिस अलर्ट, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने मछलीशहर में किया पैदल गश्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। धनतेरस एवं आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से जौनपुर पुलिस पूरी तरह सतर्क नजर आ रही है। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने क्षेत्राधिकारी मछलीशहर के साथ थाना मछलीशहर क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में पैदल गश्त की। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने मछलीशहर के प्रमुख बाजारों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, चौराहों तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। त्योहारों के दौरान बाजारों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए पुलिस की सक्रियता और सतर्कता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। पैदल गश्त के दौरान अधिकारियों ने दुकानदारों, व्यापारियों एवं स्थानीय नागरिकों से बातचीत कर उनकी सुरक्षा संबंधी समस्याओं और सुझावों की जानकारी ली। साथ ही आमजन को आश्वस्त किया कि त्योहारों के दौरान शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि बाजारों एवं संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती जाए। संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जाए तथा किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पुलिसकर्मियों को भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में नियमित गश्त करने, यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने और आम नागरिकों के साथ विनम्र व्यवहार करते हुए प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस अधिकारियों की इस सक्रियता से व्यापारियों एवं स्थानीय नागरिकों में सुरक्षा का भरोसा मजबूत हुआ। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता है।

आईकेएस हेल्थ की वित्तवर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में मजबूत गति: राजस्व में 104% और एबिटा में 62.5% की सालाना वृद्धि

मुंबई। अमेरिका के हेल्थकेयर सेक्टर के लिए टेक्नोलॉजी-आधारित हेल्थकेयर समाधान और 'केयर इनेबलमेंट' प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने वाली प्रमुख कंपनी, इन्वेंटुरस नॉलेज सॉल्यूशंस लिमिटेड ने 30 सितंबर, 2026 को समाप्त हुई दूसरी तिमाही (Q2 FY27) के अपने वित्तीय नतीजे घोषित किए हैं। कंपनी के 'केयर इनेबलमेंट' प्लेटफॉर्म के लगातार मजबूत प्रदर्शन की बदौलत, कंपनी ने रेवेन्यू और EBITDA में अच्छी ग्रोथ हासिल की है। इसके साथ ही, कंपनी ने 'ट्रूब्रिज' का भी सफलतापूर्वक एकीकरण (82 दिनों के भीतर) पूरा कर लिया है।

आईकेएस हेल्थ के संस्थापक और ग्लोबल सीईओ, सचिन के. गुप्ता ने कहा, वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही के दौरान, आईकेएस हेल्थ और ट्रूब्रिज की संयुक्त क्षमताओं को क्रियान्वित करना शुरू करके, आईकेएस हेल्थ एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुँच गया है। यह एकीकरण कंपनी के उस विजन को आगे बढ़ाता है, जिसमें हेल्थकेयर के लिए एक एआई आधारित इंटेलिजेंट ऑपरेटिंग सिस्टम तैयार करना शामिल है। इससे क्लिनिकल उद्यमों को अपने कामकाज में बदलाव लाने, रेवेन्यू और कैश जनरेशन को तेज करने, देखभाल की गुणवत्ता सुधारने और आर्थिक रूप से टिकाऊ बने रहने में मदद मिलेगी। उन्होंने आगे कहा, मौजूदा ग्राहकों के साथ हमारा बढ़ता जुड़ाव, नए क्लाइंट्स का जुड़ना और क्रॉस-सेलिंग में तेजी, हमारे वैल्यू प्रपोजीशन के लिए बाजार में मौजूद मजबूत मांग को दशार्ती है।

आईकेएस हेल्थ की ग्रुप सीएफओ, नित्या बालासुब्रमणियन ने कहा, वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में हमारा प्रदर्शन हमारे परिचालन पैमाने और आय शक्ति के संरचनात्मक विस्तार को दशार्ता है। 15,925 मिलियन रुपये का राजस्व हासिल करना, जो तिमाही दर तिमाही 78.2% की वृद्धि है, ट्रूब्रिज एकीकरण के प्रारंभिक वित्तीय लाभ के साथ-साथ निरंतर ऑर्गेनिक राजस्व गति को दशार्ता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि परिचालन अनुशासन ने मजबूत एबिटा रूपांतरण को सक्षम बनाया, जिससे हमारे विस्तार के दौरान मार्जिन सुरक्षित रहे। आने वाली तिमाहियों में, आने वाली तिमाहियों में, हमारा पूरा ध्यान परिचालन तालमेल हासिल करने, रिटर्न प्रोफाइल को मजबूत करने और स्थायी, दीर्घकालिक शेयरधारक मूल्य बढ़ाने पर केंद्रित रहेगा।

दीपों के संग छलकी समृद्धि, लक्ष्मी के आगमन से दमकी काशी

सुरेश गांधी

वाराणसी। दीपों की लौ में आस्था झिलमिलाई तो बाजारों में समृद्धि की चमक उतर आई। कहीं सोने-चांदी की खनक थी तो कहीं पीतल और तांबे के बर्तनों की छनक। किसी ने लक्ष्मी-गणेश के सिक्के खरीदे तो किसी ने नए वाहन की चाबी थामी। घरों की दहलीज से लेकर प्रतिष्ठानों के प्रवेश द्वार तक दीपों की कतारें सजीं। शुक्रवार को धनतेरस पर काशी ने कुछ इसी अंदाज में दीपोत्सव का स्वागत किया। सुबह से शुरू हुई खरीदारी की रफ्तार देर रात तक थमी नहीं। महंगाई और धातुओं की ऊंची कीमतों के बावजूद ग्राहकों के उत्साह में कमी नहीं दिखी।

बाजारों में उमड़ी भीड़ ने साफ कर दिया कि शुभ अवसर पर कुछ नया खरीदने की भारतीय परंपरा आज भी उतनी ही जीवंत है। कारोबारी अनुमानों के मुताबिक, धनतेरस पर वाराणसी सहित पूर्वांचल में करीब 4000 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। सराफा कारोबार में पिछले वर्ष के मुकाबले लगभग 30 प्रतिशत वृद्धि का दावा किया गया। इस तरह धनतेरस ने केवल दुकानदारों की तिजोरियां ही नहीं भरीं, बल्कि त्योहार की अर्थव्यवस्था को भी नई चमक दी। मतलब साफ है बाजार में चमक सोने की थी, लेकिन खरीदारी का उत्साह महंगाई से कहीं अधिक दमदार निकला। बाजारों में आस्था, आकांक्षा और आर्थिक गतिविधियों का ऐसा संगम दिखा, जिसने त्योहार की रौनक को नई ऊंचाई दी। सुबह से शुरू हुई खरीदारी देर रात तक जारी रही। सोने-चांदी की ऊंची कीमतें हों या घरेलू बजट की चिंता, शुभ दिन पर कुछ नया घर लाने की परंपरा के आगे सब छोटे पड़ गए। इस बार खरीदारी का अंदाज जरूर बदला, लेकिन उत्साह नहीं।

धनतेरस पर सराफा बाजार की तस्वीर इस बार कुछ अलग रही। सोने की बढ़ती कीमतों ने ग्राहकों को खरीदारी का बजट नए सिरे से तय करने को मजबूर किया तो चांदी ने उनके लिए नए विकल्प खोल दिए। भारी हार और बड़े सेट की जगह हल्के वजन के आकर्षक गहने पसंद किए गए। चेन, लॉकेट, अंगूठी, छोटी बालियां और रोजमर्रा में पहने जा सकने वाले आभूषणों की मांग रही। वहीं चांदी के सिक्के, लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाएं, कटोरी, गिलास, चम्मच और पूजा के बर्तनों की खूब बिक्री हुई। चांदी की छोटी कलात्मक आकृतियों ने भी ग्राहकों का ध्यान खींचा। हाथी, कछुआ, मछली और अन्य शुभ प्रतीकों वाली आकृतियां कम बजट में खरीदारी का आकर्षक विकल्प बनीं। इस तरह सोने की कीमतों ने खरीदारी की मात्रा और स्वरूप को प्रभावित जरूर किया, लेकिन सराफा बाजार की रौनक बरकरार रही। बर्तन बाजार में पीतल, तांबे और स्टील की परंपरागत चमक के साथ आधुनिक किचन सेट और डिजाइनर डिनरवेयर का आकर्षण रहा। ठठेरी बाजार, लक्सा और अन्य प्रमुख बाजारों में पूजा के बर्तनों से लेकर कॉपर बोतल, सर्विंग ट्रे और प्रीमियम कुकवेयर तक की खरीदारी हुई। दूसरी ओर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रतिष्ठानों में स्मार्ट टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन, मोबाइल और घरेलू उपकरणों की मांग रही। बड़ी स्क्रीन वाले टीवी और आधुनिक सुविधाओं वाले घरेलू उपकरणों के प्रति ग्राहकों का रुझान दिखा। एक्सचेंज, कैशबैक और आसान ईएमआई ने खरीदारी को और सुविधाजनक बनाया। यह बदलाव बताता है कि धनतेरस अब केवल परंपरागत धातु और बर्तन खरीदने का दिन नहीं, बल्कि घर की जरूरतों और जीवनशैली को नया रूप देने का अवसर भी बन गया है। बड़े शोरूमों की चमक के बीच छोटे दुकानदारों की उम्मीदें भी जगमगाईं। मिट्टी के दीये, गोबर से बने पारंपरिक दीप, लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाएं, पूजा सामग्री, फूल-मालाएं, रंगोली और सजावटी सामान की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही रही। स्थानीय कारीगरों और कुम्हारों के उत्पादों ने त्योहार की परंपरा को जीवंत रखा। घरों, मंदिरों और प्रतिष्ठानों में दीपदान के साथ विद्युत झालरों की सजावट भी की गई। बाजारों के प्रवेश द्वार से लेकर गलियों तक रोशनी ने काशी के उत्सवी मिजाज को और निखार दिया।

शहर के प्रमुख मार्गों और बाजारों में तिरंगी और सतरंगी रोशनी ने अलग ही छटा बिखेरी। दुकानों के प्रवेश द्वार फूलों और झालरों से सजाए गए थे। मंदिरों और प्रतिष्ठानों में विशेष विद्युत सजावट की गई। कहीं रंगोली ने स्वागत किया तो कहीं दीपों की कतारों ने अंधेरे को चुनौती दी। बाजारों की जगमगाहट के बीच खरीदारी करने निकले परिवारों और बच्चों के चेहरों पर त्योहार की खुशी साफ झलक रही थी। काशी की गलियों में दीपोत्सव का उल्लास देर रात तक बना रहा।

पारिवारिक ड्रामा, कॉमेडी और अनपेक्षित मोड़ों से भरपूर अफरातफरी 13 नवंबर को मराठी ZEE5 पर रिलीज होगी

ठाणे/नवी मुंबई। मराठी Zee 5 अपनी नई फिल्म अफरातफरी लेकर आ रहा है, यह तीन भाइयों की कहानी पर आधारित एक पारिवारिक हास्य-नाट्य है, जिसमें पिता की मौत के बाद घटनाओं का एक अनोखा सिलसिला शुरू हो जाता है। बीमा की रकम मिलने की उम्मीद के बीच, तीनों भाइयों की अपनी-अपनी आर्थिक जरूरतें और महत्वाकांक्षाएं कई मजेदार हालात, अप्रत्याशित मोड़ और पारिवारिक उलझनों को जन्म देती हैं। मिलिंद जुंबर कवड़े के निर्देशन में बनी यह फिल्म 13 नवंबर, 2026 को मराठी Zee 5 पर रिलीज होगी। स्काईलाइन सिनेमैटिक और एठ मूवी स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत तथा आउट ऑफ द बॉक्स फिल्म्स के सहयोग से बनी इस फिल्म में मोहन आगाशे, संजय नार्वेकर, शशांक शेंडे, ओंकार भोजने, असावरी जोशी, प्राजक्ता



हनमघर, किरण माने, नेहा खान और हेमंत पाटिल सहित कई कलाकार नजर आएंगे।

अफरातफरी तीन भाइयों की कहानी है, जो आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। तीनों की अपनी-अपनी महत्वाकांक्षाएं हैं और वे अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए अलग-अलग रास्ते तलाश रहे हैं। इसी दौरान उन्हें अपने पिता से जुड़ी बड़ी बीमा राशि मिलने की संभावना का पता चलता है। पैसों की जरूरत और आर्थिक परेशानियों से बाहर निकलने की चाह उन्हें कुछ गलत और अजीब योजनाएं बनाने के लिए प्रेरित करती है। इसके बाद घटनाओं का ऐसा सिलसिला शुरू होता है, जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होती।आर्थिक समस्याओं से बाहर निकलने की कोशिश में शुरू हुई यह कहानी जल्द ही उलझनों, गलतफहमियों और मजेदार घटनाओं में बदल जाती है। जैसे-जैसे उनकी योजनाएं अप्रत्याशित मोड़ लेती हैं, परिवार के रिश्तों की भी परीक्षा होने लगती है। इस दौरान पुरानी नाराजगी और रिश्तों में आए बदलाव सामने आने लगते हैं। हास्य, ड्रामा और भावनाओं से भरपूर यह फिल्म आखिर में एक अहम सवाल उठाती है कि जब पैसा सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है, तो परिवार को एकजुट रखने वाले रिश्तों का क्या होता है?

अफरातफरी की कहानी में भाइयों के पिता की मौत और उसके बाद मिलने वाली बीमा राशि पूरे घटनाक्रम की शुरूआत बनती है। जिस समय परिवार को दुख की घड़ी में एक-दूसरे का साथ देना चाहिए, उसी समय भाइयों के आर्थिक हित और उनके अपने-अपने मकसद कई अप्रत्याशित घटनाओं को जन्म देते हैं। यही घटनाएं फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाती हैं और इसमें दिलचस्प मोड़ लेकर आती हैं। फिल्म की कहानी एक ऐसी असामान्य परिस्थिति पर आधारित है, जहां पैसा सबसे ज्यादा अहम हो जाता है। इसके चलते किरदार कई गलत फैसले लेते हैं और नई-नई उलझनों में फंसते चले जाते हैं। इन परिस्थितियों से पैदा होने वाली मजेदार घटनाएं दर्शकों की दिलचस्पी बनाए रखती हैं और उन्हें यह जानने के लिए उत्सुक करती हैं कि आगे क्या होने वाला है।

कवि विनय शर्मा दीप की कविता 'आंगन' पाठ्य-पुस्तक में चयनित

मुंबई। महानगर के चर्चित कलमकार एवं पत्रकार कवि विनय शर्मा दीप को पुनः पाठ्य-पुस्तक में स्थान प्राप्त हुआ। दीप की कविता 'आंगन ' व्याकरण बद्ध एवं सारगर्भित पैमाने पर पाए जाने के उपरांत नगीन प्रकाशन मेरठ उत्तर प्रदेश ने माध्यमिक शिक्षा परिषद के पाठ्यक्रम में NCF-SE कक्षा 8 वीं के बच्चों हेतु दिव्य ज्ञान हिंदी पाठ्य- पुस्तक में स्थान देकर कवि को गौरवान्वित किया है।उक्त पाठ्य-पुस्तक के लेखक एवं कवि शिक्षाविद् सर्वेश कान्त वर्मा ने जनपद जौनपुर स्थित विनय शर्मा दीप के पैतृक गांव फूलपुर आकर मां शेरावाली के दरबार में संपूर्ण परिवार एवं उत्कृष्ट साहित्यकारों की उपस्थिति में पुस्तक भेंट करते हुए शुभकामनाएं दी।

नगीन प्रकाशन का यह पुस्तक अमेजन व फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध है जो 2026-27 से कक्षा 8वीं के पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों के पठन हेतु चयनित किया गया है। उक्त पुस्तक में दीप की कविता आंगन चयनित होने पर गांव के नागरिक एवं जनपद सहित उत्तर प्रदेश के सभी जिलों के चिरपरिचित साहित्यकारों तथा



महानगर मुंबई, ठाणे शहर के साहित्यकारों एवं शुभचिंतकों में खुशी देखने को मिला। सभी लोग फोन एवं व्हाट्सएप के माध्यम से दीप को शुभकामनाएं एवं बधाइयां दे रहे हैं। कवि विनय शर्मा दीप ने उक्त पवित्र स्थान पर जगत जननी जगदंबा को दंडवत प्रणाम किया तथा अपनी मां श्रीमती शांति देवी का भी आशीर्वाद लिया।उक्त स्थान पर दीप की मां श्रीमती शांति देवी के साथ अनुज रविन्द्र कुमार शर्मा एवं प्रवीण कुमार शर्मा उपस्थित थे तथा जनपद के चर्चित कवि संजय सिंह सागर,के आर स्नेही, गीतकार अवधेश पाठक मधुर,वरिष्ठ साहित्यकार जयंत्री प्रसाद जगमग,सुल्तानपुर से रमेशचंद्र नंदवंशी,श्रीमती रचना सोनकर,श्रीमती बिन्दू वन्दना शिवा,गीतकार प्रमोद कुमार प्रेमी एवं दुर्गा पूजन समिति के अध्यक्ष शैलेश प्रजापति के साथ सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।अंत में विनय शर्मा दीप ने उपस्थित सभी साहित्यकारों के साथ पुस्तक लेखक सर्वेश कांत वर्मा का हृदय से आभार व्यक्त किया तथा सभी को प्रणाम करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

नगरसेविका निम्मी निपुण दोशी के जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन, स्नेहा दुबे पंडित ने किया शुभारंभ

वसई। भारतीय जनता पार्टी की वार्ड क्रमांक 23 की नगरसेविका श्रीमती निम्मी निपुण दोशी के नवीन जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन शुक्रवार को वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित के हाथों उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। यह कार्यालय विश्वकर्मा बिल्डिंग-2, विद्या मंदिर मार्ग, 100 फीट रोड, वसई पश्चिम में शुरू किया गया है। इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने नवनिर्मित जनसंपर्क कार्यालय का शुभारंभ करते हुए नगरसेविका निम्मी दोशी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस कार्यालय के माध्यम से स्थानीय नागरिकों की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे। नगरसेविका निम्मी निपुण दोशी ने कहा कि यह कार्यालय क्षेत्र के नागरिकों की सेवा का नया केंद्र बनेगा। इसके



माध्यम से लोगों की समस्याओं को समझने, उनके समाधान के लिए प्रयास करने और जनसेवा के कार्यों को और अधिक गति देने की ताकत मिलेगी। कार्यक्रम में नालासोपारा विधायक राजन नाइक, वसई-विरार महानगरपालिका में विपक्ष के नेता मनोज पाटिल, ग्रुप लीडर अशोक शेल्के, बोईसर विधानसभा स्पीकर महेंद्र पाटिल, जिला महासचिव बिजेंद्र कुमार, जोगेंद्र प्रसाद चौबे, मनोज बारोट, कपिल म्हात्रे, वसई रोड बोर्ड के अध्यक्ष एवं नगरसेवक महेश सरवणकर, पूर्व नगरसेवक दिनेश भानुशाली, संतोष घाग, गणेश पागे, छोटू आनंद तथा निपुण दोशी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने निम्मी निपुण दोशी को नई जिम्मेदारी और जनसेवा के इस नए केंद्र के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। जनता का विश्वास, जनसेवा का संकल्प और विकास की प्रतिबद्धता के साथ यह नया कार्यालय क्षेत्रवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण संपर्क केंद्र साबित होने की उम्मीद है।

एसआईएस लिमिटेड का तिमाही राजस्व में 28% वायओवाय वृद्धि, ईबीआईटीडीए में 33% बढ़ा, पीएटी 37% बढ़ा

मुंबई। एसआईएस लिमिटेड (NSE: SIS, BSE: 540673) ने 30 सितंबर 2026 को समाप्त तिमाही के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। व्यावसायिक अपडेटः सिक्योरिटी सॉल्यूशंस इंडियाः सिक्योरिटी सॉल्यूशंस इंडिया व्यवसाय ने अपनी विकास गति बनाए रखी और तिमाही में राजस्व 38.9% वायओवाय वृद्धि के साथ रु. 2,144.1 करोड़ तक पहुंच गया। तिमाही के दौरान प्रमुख नए अनुबंध ई-कॉमर्स, धातु एवं खनन तथा आईटी/आईटीईएस क्षेत्रों से मिले। इस खंड ने अब तक का सर्वाधिक तिमाही ईबीआईटीडीए रु.113.2 करोड़ दर्ज किया; ईबीआईटीडीए मार्जिन Q1 FY27 के 5.1% से बढ़कर Q2 FY27 में 5.3% हो गया। सिक्योरिटी सॉल्यूशंस इंटरनेशनलः सिक्योरिटी सॉल्यूशंस इंटरनेशनल व्यवसाय ने तिमाही में रु. 2,019.6 करोड़ का राजस्व दर्ज किया, जो 25.7% की वायओवाय वृद्धि है (स्थिर मुद्रा में 6.3%)। यह वृद्धि मुख्य रूप से ऊर्जा और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्रों में मिले नए अनुबंधों से हुई। खंड का ईबीआईटीडीए रु. 71.9 करोड़ रहा, जो 34.5% की वायओवाय वृद्धि है, और Q2 FY27 में ईबीआईटीडीए मार्जिन 3.6% रहा। फैसिलिटी मैनेजमेंट सॉल्यूशंसः फैसिलिटी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस खंड ने अपनी विकास गति जारी रखी और तिमाही में 7.6% की वायओवाय राजस्व वृद्धि के साथ रु. 677.3 करोड़ का राजस्व प्राप्त किया। तिमाही के दौरान प्रमुख नए अनुबंध हेल्थकेयर, मटेरियल, स्टील और कंज्यूमर क्षेत्रों से मिले। इस खंड ने अब तक का सर्वाधिक तिमाही ईबीआईटीडीए रु. 38.3 करोड़ दर्ज किया, जो 17.8% की वायओवाय वृद्धि है। ईबीआईटीडीए मार्जिन Q1 FY27 के 5.5% से बढ़कर Q2 FY27 में 5.7% हो गया। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए समूह प्रबंध निदेशक ऋतुराज किशोर सिन्हा ने कहा, Q1 में हमने FY27 को एक निर्णायक मोड़ का वर्ष कहा था। Q1 ने इस रुझान को स्थापित कर दिया है। रुपये 4,816 करोड़ का रिकॉर्ड राजस्व, 28% की वार्षिक राजस्व वृद्धि, 33% की ईबीआईटीडीए वृद्धि और रुपये 111 करोड़ का अब तक का सर्वाधिक तिमाही पीएटी लेबर कोड रीप्राइसिंग का अधिकांश लाभ अभी आना बाकी है।

लेनोवो ने अमर बाबू को बनाया मोटोरोला मोबिलिटी का नया प्रेसिडेंट

मुंबई। लेनोवो ने आज अमर बाबू को मोबाइल बिजनेस ग्रुप का नया जनरल मैनेजर और मोटोरोला का ग्लोबल प्रेसिडेंट नियुक्त करने की घोषणा की। यह नियुक्ति 1 जनवरी 2027 से प्रभावी होगी। अमर बाबू फिलहाल लेनोवो में सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और एशिया पैसिफिक (एपी) के प्रेसिडेंट हैं। वह ऐसे समय में मोटोरोला की कमान संभालेंगे, जब कंपनी दुनियाभर के उपभोक्ताओं और कारोबारों तक अपने स्मार्ट डिवाइस और अनुभवों का विस्तार कर रही है।

लेनोवो के पर्सनल एआई विजन में मोटोरोला की अहम भूमिका है। अमर बाबू मोटोरोला की इनोवेशन वाली मजबूत ब्रांड विरासत को आगे



बढ़ाएंगे, प्रीमियम सेगमेंट में ग्रोथ तेज करेंगे, कंपनी के इंटेलिजेंट डिवाइसेज के इकोसिस्टम का और विस्तार करेंगे, और अमेरिका, भारत व जापान समेत प्रमुख बाजारों में कंपनी की हिस्सेदारी मजबूत करेंगे।

अमर बाबू के नेतृत्व में पिछले पांच से ज्यादा वर्षों में एशिया पैसिफिक ज्यादा संतुलित और विविध कारोबार में बदला है और लेनोवो की ग्रोथ का अहम इंजन बन गया है। कंपनी ने पीसी बाजार में नंबर 1 की स्थिति बनाए रखी, और मोबाइल कारोबार में भी अच्छी ग्रोथ दर्ज की। भारत में मोटोरोला की बाजार हिस्सेदारी करीब 9% तक पहुंची और जापान में यह दूसरी सबसे बड़ी स्मार्टफोन कंपनी बन गई। इंफ्रास्ट्रक्चर कारोबार में भी कंपनी ने मुनाफे के साथ ग्रोथ हासिल की और बाजार में उसकी हिस्सेदारी करीब दहाई अंक तक पहुंच गई। सॉल्यूशंस एंड सर्विसेज कारोबार ने इंडस्ट्री में अपनी बेहतरीन स्थिति और मजबूत की, और उसमें एडवांस्ड सर्विसेज की हिस्सेदारी काफी बढ़कर 50% से ज्यादा हो गई। लेनोवो के ईवीपी और इंटेलिजेंट डिवाइसेज ग्रुप के प्रेसिडेंट लुका रॉसी ने कहा, अमर एक मजबूत लीडर हैं और उन्होंने लगातार अच्छे नतीजे दिए हैं। मुझे भरोसा है कि बिक्री, ऑपरेशंस, पार्टनर व ग्राहक संबंधों और बिजनेस मैनेजमेंट का उनका गहरा अनुभव दुनियाभर में मोटोरोला की सफलता को आगे बढ़ाएगा। आगे के लिए हमारा फोकस साफ हैः मोटोरोला के प्रीमियम पोर्टफोलियो को और ऊपर ले जाना, अलग-अलग डिवाइस पर ग्राहकों को सार्थक अनुभव देना, और ऐसी तकनीक लाना जो स्मार्ट होने के साथ इंसानों के करीब भी हो।

राजस्थानी महिला मंडल के दीपावली स्नेह सम्मेलन में समुद्र मंथन की संगीतमय प्रस्तुति



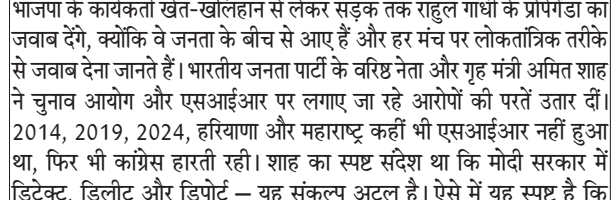
मुंबई। राजस्थानी महिला मंडल की सांस्कृतिक समिति द्वारा दीपावली के पावन पर्व पर भव्य दीपावली स्नेह सम्मेलन का आयोजन ह्यसमुद्र मंथन की मनमोहक संगीतमय प्रस्तुति के साथ बड़े हर्षोल्लास और उत्साहपूर्वक किया गया। इस भव्य आयोजन में 200 से अधिक लोगों की उपस्थिति रही।

इस अवसर पर राजस्थानी महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती मंजू लोढ़ा ने माँ महालक्ष्मी की मनमोहक भूमिका निभाई। मंडल की सदस्याओं ने इस संगीतमय कार्यक्रम में पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया तथा अपनी शानदार प्रस्तुति से समारोह को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण भारत की विभिन्न पारंपरिक बुनाई कलाओं एवं वस्त्र परंपराओं को दशार्ती सुंदर साड़ियाँ रहीं। सभी सदस्याओं ने अलग-अलग क्षेत्रों की पारंपरिक साड़ियों के माध्यम से भारत की समृद्ध हथकरघा विरासत एवं सांस्कृतिक विविधता का सुंदर परिचय दिया।

इस प्रस्तुति में मंजू लोढ़ा, अनुपमा जालान, लक्ष्मी करनानी, मीना अग्रवाल, अर्चना बजाज, स्वप्ना पोद्दार, संगीता जालान, सुनीता मंडेलिया, मुदिता अग्रवाल, मयूरी सेक्सरिया, प्रभा लोढ़ा, सुनीता काबरा, साधना केजरीवाल, मंजू नेवटिया एवं साधना सिंघानिया ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

इस भव्य आयोजन को साकार करने में श्रीमती शुभांगी घटनेकर का विशेष योगदान रहा। संयोजिका के रूप में उन्होंने पूरी प्रस्तुति की परिकल्पना, तैयारी, समन्वय एवं मंचन को बेहद कुशलता और रचनात्मकता के साथ साकार किया। उनके विशेष प्रयासों और समर्पण के लिए विशेष धन्यवाद एवं सराहना व्यक्त की गई। कार्यक्रम में मंडल की मंत्रिणी श्रीमती मुदिता जटिया द्वारा सभी अतिथियों एवं सदस्याओं के लिए स्वादिष्ट भोजन की सुंदर व्यवस्था की गई, जिसकी सभी ने सराहना की। इस अवसर पर मंडल के सभी ट्रस्टी भी उपस्थित रहे और उन्होंने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। संगीत, संस्कृति, परंपरा, आपसी सौहार्द और महिला एकता से सजी यह शाम सभी के लिए अविस्मरणीय बन गई। ह्यसमुद्र मंथन की इस अनूठी प्रस्तुति ने दीपावली के उत्सव में भक्ति, सौंदर्य और भारतीय सांस्कृतिक विरासत के रंग भर दिए।

राहुल गांधी कांग्रेस में जितना आगे बढ़े, पार्टी उतनी ही पीछे खिसकती गई



मुंबई। हरियाणा के करनाल की सड़कों पर जब लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा का अंतिम अध्याय शुरू हुआ, तब केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और राहुल गांधी की राजनीति को जिस अंदाज में कठघरे में खड़ा किया, उसने सियासी गलियारों में नई बहस छेड़ दी है। नए भारत के चाणक्य अमित शाह ने अपने सधे हुए राजनीतिक प्रहारों से कांग्रेस की इसी रणनीति को चुनौती दी। उनका संदेश साफ था कि लोकतंत्र में हार का जवाब आरोपों से नहीं, जनता के बीच अपने काम और तर्कों से देना पड़ता है। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की लगातार घटती राजनीतिक ताकत पर निशाना साधते हुए अपनी रणनीतियों से विपक्ष को मात देने वाले अमित शाह ने कांग्रेस की लगातार चुनावी हारों की कहानी को ऐसे खोलकर रखा जैसे कोई पुरानी किताब के पन्ने पलट रहा हो। 2007 में राहुल गांधी के कांग्रेस महासचिव बनने के समय पार्टी के पास करीब 1,200 विधायक थे। उपाध्यक्ष बनने तक यह संख्या 900, अध्यक्ष बनने तक 700 और वर्ष 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के समय घटकर लगभग 600 रह गई। यह आंकड़ा कांग्रेस के भीतर नेतृत्व और राजनीतिक दिशा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। एक ओर राहुल गांधी पार्टी में लगातार आगे बढ़ते रहे, तो दूसरी ओर कांग्रेस का जनाधार और राजनीतिक प्रभाव लगातार सिमटता गया। हरियाणा से लेकर महाराष्ट्र, दिल्ली और अन्य राज्यों के चुनावी नतीजों को इसी राजनीतिक गिरावट की कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। शाह ने संसद की गरिमा की भी याद दिलाई। लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच चर्चा का है, भीड़ का नहीं। शाह ने कांग्रेस की उस राजनीतिक कार्यशैली पर भी सवाल उठाए, जिसमें चुनाव जीतने पर जनादेश स्वीकार किया जाता है, लेकिन हार मिलने पर ईवीएम और चुनाव आयोग को निशाना बनाया जाता है। संसद में हंगामा, कार्यवाही का बहिष्कार और फिर सड़कों पर अराजकता फैलाने की कोशिश इस यह तरीका लोकतांत्रिक परंपराओं के विपरीत है।

भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता शाह की चुनौती भी कम दिलचस्प नहीं थी - राहुल गांधी किसी भी चौराहे का नाम बता दें, भाजपा का युवा मोर्चा अध्यक्ष ही उनसे डिबेट के लिए काफी है। मुद्दे गंभीर हैं तो संसद आएँ, चर्चा करें। भाजपा हर मुद्दे पर तैयार है। हरियाणा के कार्यकर्ता घर-घर जाकर सच्चाई बताएंगे कि मतदाता सूची की सफाई लोकतंत्र को मजबूत करने का काम है, न कि किसी का अधिकार छीनने का। भाजपा के कार्यकर्ता खेत-खलिहान से लेकर सड़क तक राहुल गांधी के प्रोपेगेंडा का जवाब देंगे, क्योंकि वे जनता के बीच से आए हैं और हर मंच पर लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देना जानते हैं। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और गृह मंत्री अमित शाह ने चुनाव आयोग और एसआईआर पर लगाए जा रहे आरोपों की परतें उतार दीं। 2014, 2019, 2024, हरियाणा और महाराष्ट्र कहीं भी एसआईआर नहीं हुआ था, फिर भी कांग्रेस हारती रही। शाह का स्पष्ट संदेश था कि मोदी सरकार में डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट – यह संकल्प अटल है। ऐसे में यह स्पष्ट है कि कांग्रेस की रैलियाँ मतदाताओं के अधिकार नहीं, घुसपैठियों को बचाने के लिए लगती दिख रही हैं।

स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी के मुनाफे में 38% का उछाल

मुंबई। फॉर्मास्युटिकल, केमिकल, बायोटेक्नोलॉजी, खाद्य एवं पेय पदार्थ तथा एआई डेटा सेंटर उद्योगों को एकीकृत इंजीनियरिंग समाधान प्रदान करने वाली अग्रणी कंपनी स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने 30 सितंबर, 2026 को समाप्त दूसरी तिमाही और पहली छमाही के अपने गैर-ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। कंपनी ने राजस्व, परिचालन आय और लाभप्रदता में सालाना आधार पर मजबूत वृद्धि दर्ज